यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

पेज 02

वर्ष : 31 अंक : 305 सोमवार RNI No. 62592/95 2 से 8 दिसंबर -2024, मोदीनगर (गाजियाबाद) पृष्ठः 8 मूल्य : ₹3 email: u.p.observer@gmail.com

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक

संघ प्रमुख भागवत बोले- 3 बच्चे पैदा करें

जनसंख्या में कमी चिंता का विषय, वृद्धि दर 2.1% से नीचे तो समाज नष्ट हो जाएगा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में कमी को चिंता का विषय बताया है। भागवत ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर 2.1% से नीचे नहीं होनी चाहिए। इसके लिए 2 की बजाय 3 बच्चे पैदा करें। यह संख्या इसलिए जरूरी है, ताकि समाज जिंदा रहे।

देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। इसके अनुसार अगर किसी समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज अपने आप नष्ट हो जाएगा।

भागवत रविवार को नागपुर में कठाले कुल सम्मेलन में एक सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- कुटुंब समाज का हिस्सा है और हर परिवार एक इकाई है।

पहले भी कई बार जनसंख्या पर बयान दिए

अक्टूबर 2021: जनसंख्या दर में अंतर के कारण मुस्लिम आबादी बढ़ी

विजयादशमी उत्सव के दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि वर्ष 1951 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर में भारी अंतर के कारण देश की जनसंख्या में जहां भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायियों का अनुपात 88% से घटकर 83.8% रह गया है। वहीं मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात 9.8% से बढ़कर 14.24% हो गया है। असंतुलन पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नीति होनी चाहिए।

जुलाई 2022: फर्टिलिटी रेट 2.1 से नीचे आना खतरनाक हो सकता है

भागवत ने एक साल बाद फिर कहा- एक व्यापक जनसंख्या नियंत्रण नीति की जरूरत है। जो सभी पर बराबरी से लागू होती हो। जनसंख्या असंतुलन पर हमें नजर रखनी होगी। जब सभी पर बराबरी से एक नीति लागू होगी तो किसी को भी रियायतें नहीं मिलेंगी। कुछ साल पहले फर्टिलिटी रेट 2.1 था। दुनिया की आशंकाओं से उलट हमने बेहतर किया और इसे 2 तक लेकर आए, लेकिन और नीचे आना खतरनाक हो सकता है।

जुलाई 2022: खाने और बच्चे पैदा करने का काम जानवर भी करते हैं

मोहन भागवत जुलाई 2022 में कर्नाटक की श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए थे। इस दौरान भागवत ने कहा- जनसंख्या बढ़ाने और खाने का काम तो जानवर भी करते हैं। ये जंगल में सबसे ताकतवर रहने के लिए जरूरी है। ताकतवर ही जिंदा रहेगा, ये जंगल का कानून है। इंसानों में ऐसा नहीं है। इंसानों में जब ताकतवर दूसरे की रक्षा करता है तो ये ही इंसानियत की निशानी है।

2062 में पीक पर होगी भारत की आबादी, उसके बाद गिरावट होगी

UN की तरफ से हालिया जारी की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की आबादी 2062 में अपने पीक पर होगी। तब देश में 1.701 अरब लोग होंगे। साल 2062 में जनवरी और जुलाई के बीच जनसंख्या में गिरावट शुरू हो जाएगी। 2062 में जनसंख्या में करीब 2.22 लाख लोग जुड़ेंगे। 2063 में देश में करीब 1.15 लाख लोगों की मौत होगी। 2064 में यह आंकड़ा 4.37 लाख होगा और 2065 में 7.93 लाख होगा।

आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों ने भी की लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील

UN की रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने भी लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने को कहा था। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बूढ़ी होती जनसंख्या को लेकर चेतावनी देते हुए कहा था कि उनकी सरकार बड़े परिवारों को प्रोत्साहन देने और पुराने जनसंख्या रोधी उपायों को पलटने के लिए कानून बनाने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग आबादी में बढ़ोतरी के चलते राज्य की इकोनॉमी पर बोझ पड़ सकता है, जैसा कि जापान, चीन और यूरोप के कई हिस्सों में हो रहा है, जहां युवाओं से ज्यादा बुजुर्गों की संख्या है। नायडू ने यह भी कहा कि दक्षिणी राज्यों में प्रजनन दर 1.6 हो गई है, जो राष्ट्रीय औसत 2.1 से कम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरी हुंकार

किसी को कोई संदेह नहीं, 2027 में फिर से खिलेगा कमल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा में नवनिर्वाचित भाजपा-एनडीए विधायकों के अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुंकार भरी है। योगी ने कहा कि वर्ष 2027 में प्रदेश में फिर से 'कमल' खिलेगा, इसमें कोई संदेह किसी को नहीं होना चाहिए। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सीसामऊ में सुरेश खन्ना के नेतृत्व में पार्टी ने मजबूती से काम किया। चुनाव के आखिरी चरण तक भी कोई नहीं कह सकता था कि बीजेपी यहां हार जाएगी। हम महज 7000-8000 वोटों से हारे, जबकि पहले यह संख्या काफी ज्यादा होती थी। हम इस संख्या को काफी हद तक कम करने में सफल रहे हैं।

योगी ने कहा कि कोई भी सफलता हमें आगे बढ़ने और बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। लेकिन, असफलताएं हमारा ध्यान इस ओर खींचती हैं कि क्या सुधारने की जरूरत है और इसे एक अवसर के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर हम प्रयास करते रहेंगे तो 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर से कमल खिलेगा। उन्होंने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा इससे भी बड़ी जीत हासिल करेगी। योगी ने प्रदेश की नौ सीट पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया और कहा कि नतीजों से यह स्पष्ट हो गया कि विपक्षी गठबंधन की 'लूट और झूठ' की राजनीति खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि यह जीत एक रहेंगे, सेफ रहेंगे पर जनता जनार्दन की मुहर है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन को जाता है। उनका अनुकरणीय नेतृत्व सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में डबल इंजन सरकार को आगे बढ़ा रहा है। साथ ही हमें कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

आदित्यनाथ ने कहा कि यह प्रचंड जनादेश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोगों के अटूट विश्वास को दर्शाता है। जनता का दृढ़ विश्वास है कि उनकी नीतियां और निर्णय राष्ट्र और समाज के सर्वोत्तम हितों के अनुरूप हैं और इस चुनाव के माध्यम से इस विश्वास की पुष्टि हुई है।

राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के पदक विजेताओं को भी मिलेगा खेल आरक्षण का लाभ: धामी

उत्तराखंड। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के पदक विजेता खिलाड़ियों को भी सीधी भर्ती के पदों पर अन्य खिलाड़ियों की तरह चार प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। साथ ही खेल महाकुंभ में जनपद स्तर पर प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को भी स्पोर्ट्स किट प्रदान की जाएगी।

इसके साथ ही उन्होंने ओलंपिक में स्कीइंग में प्रतिभाग करने वाली खिलाड़ी अमीषा चौहान को 50 लाख की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। एथलेटिक्स में 27वीं नेशनल फेडरेशन में स्वर्ण पदक जीतने वाली सोनिया को दो लाख और 22वें नेशनल फेडरेशन जूनियर में राहुल सरनालिया को स्वर्ण पदक जीतने पर एक लाख रुपए का प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ विशिष्ट आयोजन है। इसमें खिलाड़ियों को ग्राम पंचायत से लेकर ब्लॉक, जनपद होते हुए, राज्य स्तर तक प्रतिभा प्रदर्शन का मौका मिलता है। इससे राज्य में खेल संस्कृति विकसित करने में मदद मिल रही है। साथ ही खेल महाकुंभ युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ ही अनुशासन और टीम वर्क की भावना विकसित करने में भी योगदान दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष खेल महाकुंभ में सवा तीन लाख से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था, इस बार का आयोजन इस रिकॉर्ड को तोड़ने का काम करेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस बार के खेल महाकुंभ में विभिन्न स्तर के विजेता खिलाड़ियों को डीबीटी के माध्यम से 11 करोड़ रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इसलिए खिलाड़ी आगे आकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शन करें।

डिजिटल महाकुम्भः 24 घंटे 20 स्पेशल ड्रोन कर रहे महाकुम्भ की निगहबानी

एयरपोर्ट, रेलवे, बस स्टेशन, घाट, रोड, मंदिर, ब्रिज सभी पर पैनी नजर

प्रयागराज। महाकुम्भ में इस बार पौराणिक मान्यताओं के साथ साथ सबसे आधुनिक डिजिटल तकनीक भी देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भ में पहली बार इतने व्यापक स्तर की सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं। जिसके तहत 20 ड्रोन लगातार महाकुम्भ की हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं।

ये स्पेशल ड्रोन महाकुंभ में हो रही हर गतिविधि पर 24 घंटे फोकस किए हैं, जिससे यहां परिंदा भी पर न मार सके। संगम से लेकर महाकुम्भ में हो रहे एक एक विकास कार्य पर नजर रखी जा रही है। एयरपोर्ट, रेलवे, बस स्टेशन हो चाहे घाट, रोड, मंदिर, ब्रिज हों, सभी पर पैनी दृष्टि रखी जा रही है। योगी सरकार के निर्देश पर अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम इतना सख्त है कि देश विदेश से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने पाएगी। सबसे खास बात तो ये है कि एक क्लिक पर ही महाकुम्भ के 25 सेक्टरों के कोने-कोने की हर जानकारी से यह विशेष ड्रोन अपडेट रख रहे हैं। महाकुम्भ को अलौकिक बनाना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता है। इसी क्रम में एक-एक विभाग में चल रहे निर्माण कार्य की ड्रोन से देख रेख की जा रही है।

इन्हीं विशेष ड्रोन की मदद से स्मार्ट सिटी, नगर निगम, पुलिस, चिकित्सालय, परिवहन समेत तमाम विभागों में हो रही गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है।

एक एक सेकेंड का डेटा किया जा रहा सुरक्षित

महाकुंभ की एक एक गतिविधि पर नजर रखने के लिए ड्रोन लगाए गए हैं। 20 स्पेशल ड्रोन जल, थल, नभ में सुरक्षा की दृष्टि से अपनी पैनी नजर गड़ाए हैं। रिमोट से कंट्रोल होने वाले इन ड्रोन के माध्यम से किसी भी गतिविधि को बारीकी से देखने के लिए विशेष प्रशिक्षित टीमें लगाई गई हैं। सबसे खास बात यह है कि चप्पे चप्पे पर नजर रखने वाले यह ड्रोन अनलिमिटेड मेमोरी से लैस हैं, जिससे हर सेकेंड का डेटा सुरक्षित किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने से पहले ही ड्रोन के तीन प्रोजेक्ट शुरू

श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर यहां विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी का स्पष्ट निर्देश है कि महाकुम्भ में देश विदेश से प्रयागराज आने वाले एक भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की दिक्कत न आने पाए। इसी क्रम में मेला प्राधिकरण और प्रशासन की टीमें युद्ध स्तर पर तैयारियों में जुटी हैं। श्रद्धालुओं के प्रयागराज पहुंचने से पहले ही ड्रोन के तीन तरह के प्रोजेक्ट शुरू किए जा चुके हैं। जिससे महाकुम्भ में एक एक कोने की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई जा सके। जरूरत पड़ने पर इन स्पेशल ड्रोन की संख्या और भी बढ़ाई जा सकती है।

महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के स्वागत में महकेगी प्रयाग की गली गली

07 करोड़ 55 लाख 18 हजार रुपए से सुगंधित होगा प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुम्भ शुरू होने से पहले ही प्रयागराज आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधाओं के मद्देनजर योगी सरकार ने जमीनी स्तर पर इंतजाम शुरू कर दिए हैं। इसके लिए यहां 24 घंटे काम जारी है। इसी क्रम में यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पहली बार एक खास इंतजाम किया जा रहा है, जिसको देख पर्यटक खासे रोमांचित नजर आएंगे। महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए इस बार पूरे प्रयागराज को फूलों की खुशबू से महकाने की योजना है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस बार महाकुम्भ में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर पुष्प वाटिकाएं और रंग बिरंगे पौधे क्यारियों और गमलों में लगाए जाने हैं। इसके लिए बाकायदा 07 करोड़ 55 लाख 18 हजार रुपए का बजट रखा गया है। इसके अंतर्गत 26225 गमलों में मौसमी फूल सजाए जाएंगे। इसके अलावा बड़े पैमाने पर फ्लावर बेड तैयार कर उनकी प्रदर्शनी लगाई जाने की योजना है। मेला क्षेत्र में गंगा किनारे विशेष सजावटी पौधे लगाए जाने का काम शुरू हो गया है। प्रयागराज में महाकुम्भ की तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। यहां फूलों के पौधों की बड़ी मांग है। महाकुम्भ को लेकर पूरे प्रयागराज को सुंदर और सुगंधित बनाने के लिए अयोध्या और काशी की नर्सरियों को बड़े पैमाने पर फूलों और सजावटी पौधों के ऑर्डर दिए गए हैं।

इस समय मेला के अलावा शहर के प्रमुख स्थलों, पार्कों, सड़कों, चौराहों, एयरपोर्ट और हाईकोर्ट की सजावट में इन पौधों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके साथ ही महाकुम्भ में देश विदेश से आने वाले सैलानियों के आकर्षण के लिए प्रयागराज की गली-गली में सजावट के लिए फूलों के गमले रखने का काम भी शुरू हो गया है।

इस वर्ष महाकुम्भ के लिए खासतौर पर गुलाब, डहेलिया, जूही, मेरीगोल्ड, कामिनी, चांदनी, गुलदावरी, नेरियम और गेंदा के विभिन्न किस्मों की मांग है। साथ ही, सजावटी पौधों में एरिका पॉम, स्पाइंडल लिली, पीस लिली, बम्बू, धन लक्ष्मी, विष्णु कमल, और रेड मंचीरा शामिल हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी, इस्कॉन के दुनियाभर के मंदिरों में हुई विशेष प्रार्थना

नई दिल्ली। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्ध और जैन समुदाय पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब इन हमलों के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत इस्कॉन से जुड़े चार ब्रह्मचारियों को भी बांग्लादेश की सरकार ने गिरफ्तार कर लिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और उनकी सुरक्षा के लिए दुनिया भर के इस्कॉन मंदिरों में रविवार को विशेष प्रार्थना आयोजित की गई।

इस्कॉन की प्रशासनिक निकाय बांग्लादेश के इस्कॉन के संपर्क में

बांग्लादेश मुद्दे पर इस्कॉन की गवर्निंग बॉडी के कमिश्नर गौरांग दास ने कहा कि, 'जो कीर्तन हम हर रविवार को आयोजित करते हैं, वह आज बांग्लादेश के सभी भक्तों और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए किया गया। साथ ही भारत के नेतृत्व, बांग्लादेश में हिंदुओं के नेतृत्व के लिए विशेष कीर्तन किया गया। इस्कॉन और इस्कॉन की गवर्निंग बॉडी एक दूसरे के संपर्क में हैं। बांग्लादेश में मौजूद भारत के उच्चायुक्त भी हालात बेहतर करने के लिए सभी के संपर्क में हैं और मिलकर काम कर रहे हैं।'

इस्कॉन के दुनियाभर के मंदिरों में आयोजित की गई विशेष प्रार्थना

इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधा रमन ने बताया कि 'अब तक बांग्लादेश में 4 इस्कॉन ब्रह्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में से दो चिन्मय दास प्रभु को दवा देने गए, लेकिन पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। चिन्मय दास के सचिव को भी गिरफ्तार किया गया है। पहले एक मंदिर बंद कर दिया गया था, कल एक और मंदिर नष्ट कर दिया गया। उन्होंने गिरफ्तारी का कोई कारण नहीं बताया है। सभी इस्कॉन स्वयंसेवक आज असहाय महसूस कर रहे हैं। हमारे 150 देशों में मंदिर हैं, 850 बड़े मंदिर, एक हजार से अधिक सेंटर्स और करोड़ों इस्कॉन भक्त बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।'

26 नवंबर को बांग्लादेश के सनातनी जागरण जोत संगठन के प्रवक्ता और पुंडरीक धाम के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जिसे लेकर बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार की खूब आलोचना हुई। हालांकि गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेशी इस्कॉन ने चिन्मय कृष्ण दास प्रभु से दूरी बना ली है। बांग्लादेश में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग उठी थी, लेकिन बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने इससे इनकार कर दिया।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसके खिलाफ बांग्लादेश के हिंदुओं ने कई बार विरोध प्रदर्शन किया। ये विरोध प्रदर्शन सनातनी जागरण जोत संगठन के बैनर तले ही हुए, जिसके प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास प्रभु हैं। बीते दिनों चटगांव में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान चिन्मय कृष्ण दास समेत 19 लोगों के खिलाफ बांग्लादेश के राष्ट्रध्वज के अपमान के आरोप में राजद्रोह का मामला दर्ज हुआ था। इसी मामले में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी हुई थी। इस गिरफ्तारी के विरोध में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई, जिसमें एक वकील की मौत हो गई थी।

जनवरी के अंत तक खुल जाएगा दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे

गाजियाबाद। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को एक साथ खोलने की तैयारी की जा रही थी। अब इसे जनवरी 2025 के अंत या दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली (अक्षरधाम) से बागपत वाले हिस्से को खोलने की बात कही जा रही है। यह हिस्सा पूरी तरह से तैयार है। बुधवार को एनएचएआई के चेयरमैन संतोष यादव ने एक्सप्रेसवे के कुछ हिस्से का निरीक्षण किया। बागपत से आगे वाले हिस्से पर काफी काम बचा है। इसमें तीन से पांच महीने का समय लग सकता है। दिल्ली से बागपत वाले हिस्से के खुलने से दिल्ली, गाजियाबाद, लोनी और बागपत तक आवागमन आसान हो जाएगा। गाजियाबाद के लोगों को दिल्ली पहुंचने के लिए एक नया रास्ता मिल जाएगा। लोनी की कई कॉलोनियों के लोगों को दिल्ली आना और जाना आसान हो जाएगा। इसके खुलते ही फरार्टा भरते हुए वाहन सीधे अक्षरधाम पहुंच जाएंगे। इसके खुलने से जिन लोगों से दिल्ली से बागपत और लोनी से बागपत जाने वालों लोगों को बहुत फायदा मिलता। दिल्ली से बागपत के बीच की दूरी 32 किमी है। इस एक्सप्रेसवे पर देश की सबसे लंबी एलिवेटेड रोड का निर्माण हुआ है।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक

समयांतराल में गुणवत्तापूर्ण करें उद्योग बंधुओं की समस्याओं का समाधानः जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जनपद के विभागीय अधिकारियों एवं औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधियों के साथ जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक की गई। बैठक में स्वदेशी पॉलिटिक्स कंपाउंड कवि नगर गाजियाबाद में सब फायर स्टेशन बनाए जाने के संबंध में स्वदेशी पॉलिटिक्स द्वारा प्रस्तुत डीपीआर का एक सप्ताह के अंदर परीक्षण कर उपलब्ध कराए जाने हेतु मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद को निर्देशित किया गया तथा आगामी उद्योग बंधु बैठक में उक्त की प्रगति प्रस्तुत किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। सौर ऊर्जा मार्ग ब्रिज विहार स्थित पुलिया के निर्माण के संबंध में अधीक्षण अभियंता विद्युत नगरीय वितरण मंडल गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि पुलिया के निर्माण से पूर्व विद्युत लाइन शिफ्टिंग का कार्य 15 दिसंबर को प्रारंभ कर दिया जाएगा एवं लगभग 01 माह में पूर्ण हो जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा उक्त की पुष्टि किए जाने हेतु साहिबाबाद औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधि संजीव त्यागी को करने हेतु निर्देशित किया गया। औद्योगिक क्षेत्र में अवैध रूप से खड़े वाहनों पर आरटीओ प्रवर्तन एवं पुलिस विभाग को नियमित रूप से चालान किए जाने तथा बैठक में उपस्थित ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियो को भी निर्देशित किया गया कि वे अपने वाहनों को रोड साइड में खड़ा करवाए तथा स्थाई रूप से कोई भी वहां सड़कों पर खड़ा ना किया जाए। जिलाधिकारी द्वारा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों को जनपद में ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना हेतु गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। औद्योगिक क्षेत्र एसएससी जीडी रोड, गाजियाबाद में विद्युत विभाग द्वारा कराई जा रहे हैं विद्युत अवस्थाना सुधार संबंधी कार्यों के पूर्ण कार्य जाने तथा से शेष कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराए जाने के संबंध में औद्योगिक संगठनों द्वारा विद्युत विभाग की प्रशंसा की गई। जिलाधिकारी द्वारा शेष कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करते हुए प्रगति से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया। ईएसआईसी अस्पताल साहिबाबाद में उपलब्ध सुविधाओं एवं श्रमिकों एवं मरीजो को दिए जाने वाले उपचार के संबंध में स्पष्ट जांच कर आख्या उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद को निर्देशित किया गया। दिल्ली सहारनपुर रोड पर लोक निर्माण विभाग द्वारा कराई जा रहे पेचवर्क एवं डामरीकरण के कार्य पर जिलाधिकारी द्वारा असंतोष व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को उक्त सड़क एवं नल की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए इसका स्थाई समाधान निकाल कर नए एस्टीमेट बनाए जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं उक्त एस्टीमेट को शासन को प्रस्तुत किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। ट्रोनिका सिटी लोनी औद्योगिक क्षेत्र में फायर स्टेशन की स्थापना के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा उप महाप्रबंधक यूपीएसआईडीए को अग्निशमन केंद्र की स्थापना हेतु एस्टीमेट तैयार कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। सिखेड़ा रोड औद्योगिक क्षेत्र में 500 मी खंडजे के निर्माण के संबंध में जिला पंचायत द्वारा किए जा रही टेंडर प्रक्रिया में उत्पन्न एफडीआर वेरिफिकेशन की समस्या के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत परिषद के प्रतिनिधि को संबंधित बैंकों के संपर्क नंबर एवं प्रकरण का विवरण अग्रणी जिला प्रबंधक एवं उपायुक्त उद्योग को उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

लम्बित कार्यः कारण सहित रिर्पोट प्रस्तुत करें सम्बंधित अधिकारीः जिलाधिकारी

गाजियाबाद। सीएमआईएस पोर्ट पर प्रदर्शित रुपए 1 करोड़ से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आहूत हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सभी परियोजनाओं की समीक्षा की गयी। जिन परियोजनाओं का कार्य लम्बित है, सम्बंधित कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों पर रोष व्यक्त करते हुए कड़े शब्दों में निंदा की गयी। उन्होने कहा कि उक्त कार्य को त्वरित कार्यवाही करते हुए पूर्ण किया जाए। कार्यदायी संस्थाओं में उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0, उ0प्र0राजकीय निर्माण निगम लि0, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, एचएससीसी

(इंडिया) लि0, उत्तर प्रदेश जल निगम (अरबन) निर्माण, सी0एण्डडी0 एसओयू–31, सी0एण्डडी0 एसओयू–45, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, यू0पी0 स्टेट कन्ट्र0 एण्ड इन्फ्रा0 डवलपमेंट कारपोरेशन लि0, नगर पालिका परिषद लोनी द्वारा कुछ परियोजनओं के कार्य समयान्तराल में पूर्ण नहीं किये गये जिसके लिए जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिक लम्बित परियोजनाओं की कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से परियोजनाओं के पूर्ण कराने का समय मांगा गया और कार्य के लम्बित होने का कारण सहित रिर्पोट प्रस्तुत करने के आदेश दिये। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि यदि उक्त समय तक कार्य पूर्ण नहीं किया गया तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्य की जायेगी।

एडीएम ई की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की मासिक प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गॉधी सभागार कलेक्ट्रेट में अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की माह अक्टूबर-2024 की मासिक प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक की निम्नवत कार्यवाही की गयी। बैठक में सम्बंधित अधिकारी/प्रतिनिधि व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डे एनआरनएलएम बैंक क्रेडिट लिंकेज

जनपद में बैंक क्रेडिट लिंकेज प्राप्त समूहों की संख्या 178 जिसमें बैंक में क्रेडिट लिंकेज कराने का लक्ष्य 884 के सापेक्ष 884 समूहों को बैंक से लिंकेज किया गया है। जो 93.67 प्रतिशत है उपायुक्त एनआरएलएम द्वारा बताया गया गत माह में जनपद की रैंक 24 प्राप्त हुयी थी। माह अक्टूबर 2024 में 3तक रैंक प्राप्त हुयी है। गत माह से अच्छा किया गया है। निर्देश दिये गये कि जनपद की रैंक को बरकरार रखा जाये।

जल जीवन मिशन (हर घर जल)

जनपद में 123767 परिवारों के सापेक्ष 116030 गृह नल संयोजन क्रियाशील किये गये जो 93.75 प्रतिशत है इस पर सहायक अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि अभी विभाग के पोर्टल पर जनपद की रैंक 11वीं है। निर्देश दिये गये कि माह नवम्बर 2024 की प्रगति में सुधार कर लिया जाना सुनिश्चित करे।

5वां राज्य वित्त आयोग ग्राम पंचायत

5वी राज्य वित्त आयोग में प्रारम्भिक अवशेष रू0 3.41 करोड थी, इस वित्तीय वर्ष में रू0 12.39 करोड की धनराशि प्राप्त हुई है। वर्तमान में कुल रू0 15.80 करोड उपलब्ध के सापेक्ष रू0 15.01 करोड व्यय किया जा चुका है, जोकि 95 प्रतिशत है जिसके कारण जनपद को ह्यह्यसीह्यह्य श्रेणी प्राप्त होने के कारण जनपद 61 वी रैंक पर हुई।

सहायक विकास अधिकारी पंचायत द्वारा बताया गया कि आज तक 5 वा राज्य वित्त आयोग में 96.76 प्रतिशत व्यय कर लिया गया माह नवम्बर 2024 की प्रगति में 98 प्रतिशत कर लिया जायेगा। समस्त विकास खण्डो के सहायक विकास अधिकारियों को 98 प्रतिशत व्यय करने हेतु अवगत कराया गया है। निर्देश दिये गये है कि माह नवम्बर 2024 कि प्रगति में सुधार कर लिया जाना सुनिश्चित करे।

नई सडकों का निर्माण

जनपद मे सडको का वार्षिक लक्ष्य 21 जिसकी लम्बाई 31.01 कि0मी0 के सापेक्ष 15 सडके, जिसकी लम्बाई 30.26 कि0मी0 पूर्ण हुयी है। स्वीकृति धनराशि रू0 3132.03 लाख के सापेक्ष रू0 1275.44 लाख आवंटित की गयी जिसमे से 1137.74 का व्यय कर 97.58 प्रतिशत सडके निर्मित की गई। अधिशासी अभियन्ता लो0 नि0 वि0 द्वारा अवगत कराया गया कि समस्त नई सडको का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

मध्याह्न भोजन एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति

जनपद में कुल 89681 छात्रों के सापेक्ष 1791263 छात्रों को मध्यान्ह भोजन वितरण किया जा रहा है जो लक्ष्य का 73.62 प्रतिशत है जिससे जनपद की रैंक सी है।

जिस कारण जनपद को प्रदेश में 35 वी रैंक प्राप्त हुई है बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि दशहरा व छट पूजा होने के कारण बाहर रहने वालो के बच्चे त्योहार के समय अपने ग्राम में चले जाते है जिसके कारण जिसके कारण उपस्थिति कम रहती है। निर्देश दिये गये की माह नवम्बर.2024 की प्रगति में सुधार कर लिया जाये।

निपुण परीक्षा आंकलन

जनपद मे 97423 छात्रों के सापेक्ष 69883 छात्रों के परिणाम घोषित किये गये जिसमें निपुण आंकलन परीक्षा ग्रेड कम्पीटेंट ऐ 18579, ग्रेड कम्पीटेंट बी 16220, ग्रेड कम्पीटेंट सी 7335, ग्रेड कम्पीटेंट डी 3772, ग्रेड कम्पीटेंट ई 6000 श्रेणी प्राप्त हुई है जिसका परिणाम 75.52 प्रतिशत है।

जिस कारण जनपद को बी श्रेणी प्राप्त होने के कारण 22 वीं रैंक प्राप्त हुई है बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया की नेट की परीक्षा नवम्बर 2024 माह में प्रस्तावित है। प्रदूषण होने के कारण स्कूल बन्द थे जिसके कारण एन0सी0आर के जनपदो मे नेट की परीक्षा नही हो सकी।

डीएम की अध्यक्षता में नॉर्को–आर्डिनेशन मैकेनिज्म की बैठक आयोजित

अवैध एवं नियमों के विरूद्ध कार्य करने वालों के खिलाफ सख्त एवं दण्डात्मक कार्रवाई करें :इन्द्र विक्रम सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में नॉर्को-आर्डिनेशन मैकेनिज्म (एनसीओआरडी) की बैठक आयोजित हुई। डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक के दौरान क्रमवार सभी विभागों के से उनकी प्रगति जानी, जिसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि उनकी टीम स्कूलों में जाकर पता लगाया जा रहा है कि स्कूल के नजदीक नियमानुसार कोई नशीला पदार्थ तो विक्रम नहीं किया जा रहा है यदि ऐसा पाया जा रहा है तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

इसके साथ ही उक्त टीम को नशा के विरूद्ध उन्हें क्या–क्या कार्य करने चाहिए उसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। शिक्षा विभाग ने जानकारी दी कि उनके द्वारा स्कूलों में प्रार्थना के दौरान सभी को नशा ना करने के लिए शपथ दिलाई जाती है, साथ ही समय–समय पर छात्रों के साथ अभिभावकों को भी नशा के विरूद्ध एवं नशा से होने वाली हानियों एवं परेशानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है। एडीएम सिटी गम्भीर सिंह ने बैठक में बताया कि नशा उन्मूलन एवं जनजागरूकता हेतु विशेष अभियान चलाये जा रहे है। नशा विरोधी जगरूकता अभियान के अन्तर्गत जागरूकता पखवाड़ा मनाते हुए उसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। स्कूल कॉलेजों में एक दिन आवश्यक रूप से नशे के विरूद्ध जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहे हैं जिसमें निबंध, वाद-विवाद, भाषण, चित्रकला आदि प्रतियोगिता आयोजित की जा रही हैं। गाजियाबाद क्षेत्र के सभी बस स्टेशनों पर उद्घोषणा यंत्र द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार तथा परिवहन निगम के अनुबन्धित ढाबों पर भी नशा मुक्ति से सम्बन्धित होर्डिंगस/बोर्ड लगाये जा रहे हैं। जनपद में संघन चैकिंग अभियान चलाकर अवैध मादक पदार्थो की तस्करी पर पूर्ण रूप से विराम लगाये जाने का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि नशा की रोकथाम हेतु जो कार्य किये जा रहे हैं उनमें और अधिक सख्ती अपनाते हुए कार्य किया जाये।

अवैध एवं नियमों के विरूद्ध कार्य करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त एवं दण्डात्मक कार्यवाही की जाये। बैठक में पुलिस विभाग, अर्थ सांख्यिकी विभाग, कृषि विभाग, जीआरपी, परिवहन, वन विभाग, यातायात, आबकारी विभाग, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारियों/ प्रतिनिधियों उपस्थित रहे।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित मासिक समीक्षा बैठक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। एडीएम प्रशासन रणविजय सिंह द्वारा जनपद में दुर्घटना घटित स्थलों पर दुर्घटनाओं के कारणों का सद्यनता से परीक्षण किया गया। समीक्षा बैठक में एनसीआरटीसी के किसी अधिकारी द्वारा प्रतिभाग न किये जाने के कारण अत्यन्त रोष प्रकट किया गया। समीक्षा बैठक में चिहिन्त अवशेष ब्लैक स्पॉट अधिकांशतः एनएचएआई के स्वामित्व के है जिसमें दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर रेस्ट एरिया में दायी तरफ व्यू कटर लगाये जाने का कार्य पूर्ण कराया गया है अवशेष ब्लैक स्पॉट मणीपाल हॉस्पिटल, सुन्दरदीप कॉलेज से सदभावना कट तक, कौशिक ढाबा एवं टोल उद्योग कुन्ज पर सड़क सुरक्षा सम्बन्धित कार्यों को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने मुख्यालय स्तर पर व्यक्तिगत सम्पर्क करते हुए कार्यों को तत्काल प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें।

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवें पर सैक्टर-62 के कट पर डिवाईडर के मध्य 200 मी॰ दिल्ली एवं गाजियाबाद की तरफ रेलिंग बढायी जाये, जिससे कि दुर्घटना की सम्भावना कम हो सकें। बैठक में पीयूष सिंह एडीसीपी (ट्रेफिक), रामराजा अधिशासी अभियन्ता लो॰नि॰वि॰, अमित राजन राय एआरटीओ (प्रवर्तन), मनोज कुमार मिश्रा एआरटीओ, देशराज सिंह अधिशासी अभियन्ता नगर निगम, विरेन्द्र कुमार अधिशासी अभियन्ता गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, अंकुल कुमार अवर अभियन्ता एनएचएआई, सीमा शिवहरे एआरएम उ॰प्र॰ राज्य सड़क परिवहन निगम, महेन्द्र कुमार शर्मा अध्यक्ष ट्रक चालक संघ, तेजपाल त्यागी अध्यक्ष बस यूनियन, डॉ॰ पंकज स्वास्थ्य विभाग, नरेन्द्र कुमार शिक्षा विभाग एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

वेस्ट से बेस्ट मुहीम को निगम दे रहा रफ्तार, राजनगर के वेस्ट टू वंडर पार्क का नगर आयुक्त ने लिया जायजा

आकर्षण का केंद्र बना म्यूजिकल थीम पर आधारित राजनगर विश्वनाथ मंदिर वाला पार्क

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा वेस्ट से बेस्ट की मुहिम को रफ्तार दी जा रही है जिसमें गाजियाबाद नगर निगम उद्यान विभाग प्रत्येक जोन में वेस्ट टू वंडर से पार्कों का सौंदर्यकरण कर रहा है। प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज द्वारा बताया गया की पांचो जोन में दो-दो पार्कों को चिन्हित भी किया गया है। सिटी जोन अंतर्गत मॉडल टाउन ईस्ट, लोहिया नगर लाल क्वार्टर वाला पार्क, कवि नगर जोन अंतर्गत डी ब्लॉक गोविंदपुरम, राज नगर सेक्टर 14 वाला पार्क, विजयनगर के अंतर्गत सेक्टर 9 ई ब्लॉक वाला पार्क, सेक्टर 9 के ब्लॉक वाला पार्क, वसुंधरा जोन अंतर्गत सूर्य नगर बी ब्लॉक नेहरू पार्क, कौशांबी स्थित सेंट्रल पार्क, मोहन नगर जोन अंतर्गत डीएलएफ कॉलोनी वाला पार्क राजेंद्र नगर स्थित राधेश्याम बड़ा पार्क का चयन किया गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में जहां शहर वासियों को कचरा पृथक्करण के लिए जागरूक किया जा रहा है वहीं हर घर को वेस्ट से बेस्ट के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। नगर आयुक्त द्वारा शहर भ्रमण के दौरान राजनगर सेक्टर 14 स्थित विश्वनाथ मंदिर वाले पार्क का जायजा लिया गया पार्क का म्यूजिकल थीम पर आधारित सौंदर्यकरण किया गया है, ऐसी वस्तुएं जो अन उपयोगी हैं उनका इस्तेमाल करते हुए पार्क में डमरु, सितार, तबला व अन्य म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट बनाए गए हैं विश्वनाथ मंदिर समीप होने पर पार्क को म्यूजिकल थीम दी गई है। पार्क में बैठने के स्थान को टायर से तैयार किया गया है तथा टूटे पाइप खराब बोतले का इस्तेमाल पार्क को सजाने के लिए किया गया है, खराब बाल्टी फटे हुए टायर का इस्तेमाल करते हुए कमल की फुल भी बनाए गए हैं इसके अलावा अन्य अनुपयोगी वस्तुओं का इस्तेमाल करते हुए पार्क को सुविधाजनक तथा सुंदर बनाया गया है।

नगर आयुक्त द्वारा जायजा लिया गया साथ में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार भी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा वेस्ट टू वंडर पार्क की तैयारी की जा रही है जिसमें शहर को जागरुक भी किया जा रहा है सेक्टर 14 राजनगर में वेस्ट टू वंडर पार्क का निरीक्षण किया गया मौके पर आसपास के निवासियों से वार्ता भी की गई सभी को पार्क पसंद आया क्षेत्र वासियों द्वारा पार्क के रखरखाव में अपना रुझान दिखाया जा रहा है सेक्टर 14 राज नगर विश्वनाथ मंदिर वाला पार्क आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, ग्रेप के दौरान किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया गया। मुख्य चौराहों को चिन्हित करके इसी थीम पर कार्य किया जाएगा ना केवल अन उपयोगी वस्तुओं का निस्तारण होगा बल्कि शहर को एक नई ऊर्जा देने के लिए भी वेस्ट से बेस्ट महिम सफल हो रही है कई सामाजिक संस्थाएं निगम का सहयोग कर रही है मौके पर नमिता गौर सक्षम हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन एनजीओ की संचालिका भी उपस्थित रही। राजनगर क्षेत्र वासियों ने गाजियाबाद नगर निगम महापौर तथा नगर आयुक्त का वेस्ट टू वंडर पार्क बनाए जाने पर धन्यवाद भी किया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त के सामने आई बिना हैजारडियस बीन की गाड़ी, 50 हजार का लगाया जुर्माना

डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन को ईयर फोन लगाकर चला रहा था चालक, नगर आयुक्त ने रोका

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा निरीक्षण के क्रम में मोहन नगर जोन का जायजा लिया गया, निरीक्षण के समय हिंडन एयर फोर्स पर नगर आयुक्त के सामने तेजी से दौड़ता हुआ डोर टू डोर पूरा कलेक्शन वहां आया जिस पर नगर आयुक्त द्वारा खुद रोक कर चालक के कानों से ईयर फोन हटाए गए तथा गाड़ी में लगे हुए बीन के ढक्कन भी बंद कराए, इसके बाद नगर आयुक्त द्वारा चालक को ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए बिना ईयर फोन लगाए गाड़ी चलाने के लिए निर्देश दिए गए साथ ही गाड़ी की टूटी हुई नंबर प्लेट देखकर नाराजगी जाहिर की गई, तथा गाड़ी के पीछे लगे हुए हैजारडियास बीन के न पाए जाने पर नेचर ग्रीन के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के लिए विभाग को निर्देशित किया गया 50000 का जुमार्ना लगाने के लिए भी कहा गया।

नगर आयुक्त द्वारा नेचर ग्रीन को नोटिस जारी करने तथा कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कड़ी चेतावनी देने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार मौके पर मौजूद रहे जिनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग को दो दिन के भीतर सभी गाड़ियों मे हैजारडियास बीन लगे हो सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए' अपर नगर आयुक्त द्वारा यहां यह भी बताया गया मोहन नगर जोन अंतर्गत करेड़ा ग्राम मार्ग पर दिनाक 21 अक्टूबर को तेज गति से आती हुई डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन गाड़ी UP14KT6036 को पकड़ा गया जिसमें सभी लगे हुए बीन खुले हुए पाए गए, सुधार करने की चेतावनी पूर्व में भी दी गई, लापरवाही की पुनरावृत्ति पाए जाने पर जुमार्ना वसूला जाएगा तथा कड़ी कार्यवाही कराई जाएगी। महापौर तथा नगर आयुक्त के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम स्वच्छता के प्रति विशेष ध्यान शहर हित में रख रहा है डोर टू डोर पूरा कलेक्शन वहां के चालक इयरफोन का इस्तेमाल वाहन चलाते समय ना करें रफोन का इस्तेमाल वाहन चलाते समय ना करे, गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत चल रही सभी कूड़ा कलेक्शन वहां की नंबर प्लेट सही हो कूड़ा कलेक्शन वहां में लगे हुए डस्टबिन के ढक्कन प्रॉपर बंद हो, हैजारडियास बीन सभी गाड़ियों में अनिवार्य रूप से लगा हो विशेष ध्यान रखने के लिए चेतावनी दी, साथ ही नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश व अन्य समस्त स्वास्थ्य विभाग टीम को मॉनिटरिंग बढ़ाने के लिए कड़े निर्देश जारी किए।

शपथ लेने के बाद नवनिर्वाचित विधायकों ने दोहराया 'राष्ट्र सर्वोपरि' का संकल्प

उपचुनाव में जीते बीजेपी और रालोद के 7 विधायकों ने ली शपथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- मोदी-योगी के नेतृत्व पर जताई निष्ठा
- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को दिलाई शपथ
- मुख्यमंत्री ने शपथ लेने वाले नवनिर्वाचित विधायकों को दी शुभकामनाएं
- योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुए चुनावों में भाजपा ने किया है शानदार प्रदर्शन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और प्रभावी रणनीति के चलते उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल ने उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 में से 7 सीटों पर जीत हासिल की। इसके बाद शुक्रवार को विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सभी विजयी उम्मीदवारों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे प्रदेश के विकास और जनता की आस्था की जीत बताया। जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें कुंदरकी से रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र सिंह, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और मीरापुर से रालोद की मिथलेश पाल शामिल हैं। इन सभी उम्मीदवारों ने जनता के विश्वास और समर्थन का धन्यवाद करते हुए अपने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही। सभी ने एक स्वर में 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प को दोहराया, साथ ही मोदी-योगी के नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा जताई। शपथ ग्रहण समारोह के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नवनिर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य होना गौरव की बात है। जनता की सेवा का अवसर आपको मिला है। मुख्यमंत्री जी के कार्यों को लेकर अगर जनता के बीच में जाएं तो हर बार जीत आपको मिलेगी। आपके पास ढाई साल का समय है, उसे जनता के बीच ज्यादा से ज्यादा व्यतीत करें। इसके साथ ही आपकी उपस्थिति विधानसभा में भी दिखनी चाहिए। यहां आपकी परफॉर्मेंस ही जनता के बीच आपकी सक्रियता के संदेश के रूप में जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना सहित मंत्रीगण और विधायकगण मौजूद रहे। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास और पारदर्शी प्रशासन पर जोर दिया गया है। उनकी सरकार की जनहितकारी योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व सड़क परियोजनाओं ने लोगों का विश्वास मजबूत किया है। इसके अलावा, प्रदेश में अपराध नियंत्रण और धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार जैसे कदमों ने योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता को और बढ़ावा दिया है। परिणामस्वरूप यूपी विधानसभा उप चुनाव में भाजपा और सहयोगी दल रालोद के शानदार प्रदर्शन ने पार्टी के उत्साह में गजब का इजाफा किया है। वहीं, उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन के तमाम दावे ध्वस्त हो गए। गठबंधन की तमाम कोशिशों और बड़े बड़े वादों के बावजूद, विपक्षी दल अपनी साख बचाने में नाकाम रहे। बीजेपी और सहयोगी दलों की इस जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता का भरोसा योगी सरकार पर कायम है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ बीजेपी ने प्रदेश में अपनी मजबूत स्थिति का प्रमाण दिया है।

भाजपा की उपचुनाव में बड़ी जीत से विपक्ष भयभीत

2027 में इससे भी बड़ी होगी भाजपा की विजय: योगी आदित्यनाथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- उपचुनाव में जीत के बाद नवनिर्वाचित विधायकों का पार्टी मुख्यालय में सीएम योगी ने किया अभिनंदन
- मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित विधायकों, मंत्रियों और संगठन के कार्यकर्ताओं के प्रयासों को सराहा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बीजेपी मुख्यालय में आयोजित उपचुनाव में विजयी नवनिर्वाचित विधायकों के अभिनंदन समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों, पार्टी कार्यकताओं, मंत्रियों और पदाधिकारियों को उपचुनाव के दौरान मिले दायित्वों को लेकर की गई कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि टीम भावना और एकजुटता के साथ कार्य करने से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उपचुनाव में बीजेपी को मिली प्रचंड जीत से विपक्षी दल भयभीत हो गये हैं। वो अब बस आरोप ही लगा सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने सभी को आश्वस्त किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा इससे भी बड़ी जीत हासिल करेगी।

योगी आदित्यनाथ ने नवनिर्वाचित विधायकों का आह्वान किया कि, चूंकि अब उनके पास दो-ढाई साल का ही समय है, ऐसे में वह सभी अपने कार्यकाल में जनता से बेहतर संवाद स्थापित करें और संगठन के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सफलता से प्रेरणा और असफलता से सबक लेकर आगे बढ़ना है। यदि हम इसी सामूहिक भावना से कार्य करते रहे, तो 2027 में प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलेगा।

अभिनंदन समारोह में भाजपा और सहयोगी दल रालोद के विजयी विधायकों को बधाई दी गई। इनमें मीरापुर से मिथिलेश पाल (रालोद), कुंदरकी से भाजपा विधायक रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र दिलेर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद और मझवां से सुचिष्मिता मौर्य शामिल रहीं। इस अवसर पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, सुरेश खन्ना, संजय निषाद, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

चुनाव से पहले ही बना ली थी जीत की रणनीति

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन और नेतृत्व में एनडीए ने हरियाणा में हैट्रिक लगाई, महाराष्ट्र में भारी बहुमत हासिल किया और उत्तर प्रदेश उपचुनाव में 9 में से 7 सीटों पर विजय प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने चुनाव से पहले ही सात सीटें जीतने की रणनीति बनाई थी, जिसे संगठन और कार्यकताओं ने जमीन पर उतारकर सफल बनाया। योगी ने कुंदरकी और कटेहरी जैसी कठिन सीटों पर जीत को पार्टी की रणनीति और कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि जहां लोग जीत की संभावना पर सवाल उठाते थे, वहां बीजेपी ने न केवल जीत हासिल की बल्कि अपनी स्थिति और मजबूत की। कुंदरकी में 1.45 लाख वोटों से रिकॉर्ड तोड़ जीत इसका उदाहरण है।

बीजेपी हर चुनौती को अवसर में बदलने का माद्दा रखती है

मुख्यमंत्री ने पार्टी की विचारधारा और कार्यकताओं के प्रति समर्पण पर जोर देते हुए कहा कि बीजेपी हर चुनौती को अवसर में बदलने का माद्दा रखती है। उन्होंने सातों विधानसभा में मिली जीत को कार्यकताओं और नेताओं के मजबूत प्रयास का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए यह जीत विपक्ष के मन में भय उत्पन्न करेगी। हमें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा और सघन जनसंपर्क के माध्यम से सरकार की योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा। इससे 2027 में हमारी सफलता और बड़ी होगी। मुख्यमंत्री ने खैर विधानसभा से विजयी सुरेंद्र दिलेर के पिता पूर्व सांसद और पूर्व विधायक राजवीर सिंह दिलेर का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी हमेशा अपने कार्यकताओं के परिवार के साथ खड़ी रहती है।

प्रदेश में कुल 121 चीनी मिलों में से 102 चीनी मिलों ने जारी किया गन्ना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। आयुक्त, गन्ना एवं चीनी प्रभु एन सिंह ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व एवं गन्ना किसानों के व्यापक हितों के दृष्टिगत मा. मंत्री, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास लक्ष्मी नारायण चौधरी व राज्य मंत्री, संजय गंगवार के मार्गदर्शन में वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। प्रदेश की 102 चीनी मिलों ने गन्ना खरीद हेतु इण्डेन्ट जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की 90 चीनी मिलों में पेराई कार्य प्रारम्भ हो चुका है, जिनमें निगम क्षेत्र की 01, सहकारी क्षेत्र की 10 तथा निजी क्षेत्र की 79 चीनी मिलें शामिल हैं। प्रदेश की संचालित चीनी मिलों में सहारनपुर परिक्षेत्र की 19 में से 18 चीनी मिलें, मेरठ परिक्षेत्र की 16 में से 16, बरेली परिक्षेत्र की 17 में से 11, मुरादाबाद परिक्षेत्र की 23 में से 22, लखनऊ परिक्षेत्र की 19 में से 13, अयोध्या परिक्षेत्र की 05 में से 04, देवीपाटन परिक्षेत्र की 10 में से 04 तथा देवरिया परिक्षेत्र की 7 में से 02 चीनी मिलों ने पेराई कार्य प्रारम्भ कर दिया है। इसके अतिरिक्त प्रदेश की अन्य 12 चीनी मिलों द्वारा अपना पेराई कार्य शुरू करने की समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर गन्ना खरीद हेतु इण्डेंट जारी कर दिया है। इन चीनी मिलों का संचालन भी अगले 02 से 03 दिवस में शुरू हो जाएगा। अवशेष 19 चीनी मिलें भी शीघ्र ही संचालित हो जाएगी।

गन्ना आयुक्त ने यह भी बताया कि वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 के देय गन्ना मूल्य का नियमानुसार त्वरित भुगतान करने हेतु चीनी मिलों को निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। तदक्रम में 39 चीनी मिलों द्वारा वर्तमान पेराई सत्र के देय गन्ना मूल्य का भुगतान भी शुरू कर दिया गया है। समय से चीनी मिलों के संचालन से गेंहू बुवाई हेतु खेत होगा खाली।

राज्य गन्ना प्रतियोगिता वर्ष 2023-24 के विजेताओं के परिणाम घोषित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। गन्ना विकास विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा राज्य गन्ना प्रतियोगिता वर्ष 2023-24 के परिणामों की घोषणा कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये प्रदेश के आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, उ.प्र. ने बताया कि, इस प्रतियोगिता के लिये अनुमन्य संवर्ग यथा-शीघ्र पौधा, पेड़ी, सामान्य पौधा, ड्रिप विधि से सिंचाई (पौधा व पेड़ी) तथा युवा गन्ना किसान संवर्ग (पौधा व पेड़ी) के अन्तर्गत सम्पूर्ण प्रदेश से कुल 2251 आवेदन पत्र प्राप्त हुये थे। विभाग द्वारा नामित कटाई अधिकारियों से प्राप्त परिणामों के आधार पर कृषकों को विजयी घोषित किया गया है।

उन्होंने बताया कि शीघ्र पौधा संवर्ग में कौशल कुमार पुत्र हरिसरन लाल, ग्राम-कुर्रिया ढोंढो, जोन-तिलहर, जिला-शाहजहांपुर ने 2632.00 कु./हे. उपज प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं सिकन्दर सिंह पुत्र लाभ सिंह, ग्राम-चैगानपुर, जोन-अजबापुर, जिला-लखीमपुर ने 2510.00 कु. प्रति हे. उपज प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं हिमांशुनाथ सिंह पुत्र आदित्यनाथ सिंह, ग्राम-खम्मापुरवा, जोन-बिसवां, जिला-सीतापुर ने 2470.00 कु. प्रति हे. उपज प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता को रु.51,000 द्वितीय को रु.31,000 तथा तृतीय को रु.21,000 की धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा।

उन्होंने ने बताया कि घोषित परिणामों के अनुसार पेड़ी संवर्ग में श्री कालूराम पुत्र रामनारायण, ग्राम-इदरीशपुर, जोन-खतौली, जिला-मुजफ्फरनगर ने 2137.00 कु./हे. उपज प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मो. यामीन पुत्र मो. यासीन, ग्राम-सिकन्दरपुर, जोन-टिकौला, जिला-मुजफ्फरनगर द्वारा 2128.00 कु. प्रति हे. उपज प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं रामबीर पुत्र सुरेशपाल सिंह, ग्राम-काकड़ा, जोन-मंसूरपुर, जिला-मुजफ्फरनगर द्वारा 1974.00 कु. प्रति हे. उपज प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया गया है। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता को रु.51,000 द्वितीय को रु.31,000 तथा तृतीय को रु.21,000 की धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा।

उनके द्वारा यह भी बताया कि सामान्य पौधा संवर्ग में गिरीश कुमार पुत्र अमर सिंह, ग्राम-चिंगरावटी, जोन-अगौता, जिला-बुलन्दशहर ने 1680.00 कु./हे. उपज प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं रामकल्प पुत्र शिवबालक, ग्राम-अरदा, जोन-रूधौली, जिला-बस्ती द्वारा 1149.00 कु./हे. उपज प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं इंद्राशन सिंह पुत्र राम निहोरा, ग्राम-कुसुम्हां, जोन-रामकोला-पी, जिला-कुशीनगर द्वारा 1139.00 कु./हे. उपज प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया गया है। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता को रु.51,000 द्वितीय को रु.31,000 तथा तृतीय को रु.21,000 की धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि ड्रिप विधि से सिंचाई-पौधा संवर्ग में श्री नीरज कुमार पुत्र श्री ओंकार सिंह, ग्राम-खालौर, जोन-अनूपशहर, जिला-बुलन्दशहर ने 1988.50 कु./हे. उपज प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं तेज सिंह पुत्र महावीर सिंह, ग्राम-पुरबालियान, जोन-मंसूरपुर, जिला-मुजफ्फरनगर द्वारा 1323.00 कु./हे. उपज प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं श्री कृष्ण प्रसाद पुत्र श्री रामफेर, ग्राम-रोहदा, जोन-बभनान, जिला-बस्ती द्वारा 1296.00 कु./हे. उपज प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया गया है। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता को रु.51,000 द्वितीय को रु.31,000 तथा तृतीय को रु.21,000 की धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा।

मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गन्ना उत्पादन में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने के लिये समस्त विजेता गन्ना कृषकों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने प्रदेश के समस्त गन्ना किसानों से अपील की है कि प्रदेश के विकास में अग्रणी भूमिका निभायें, जिससे प्रदेश प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रहे। मा. गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चैधरी, राज्य मंत्री संजय गंगवार तथा प्रमुख सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, उत्तर प्रदेश शासन ने भी विजेता गन्ना कृषकों के उपलब्धियों की सराहना की है।

उप्र. पर्यटन विभाग ने किया 'महाकुंभ- 2025 प्रील्यूड' का आयोजन, होटल अशोक में पहुंचे कई देशों के उच्चायुक्त

महाकुंभ-2025 प्रील्यूड: भारत घूमना है, तो महाकुंभ आएं: केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली/लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन की ओर से 'महाकुंभ-2025 प्रील्यूड' कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार (29 नवंबर, 2024) को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के होटल अशोक में हुआ। मुख्य उपस्थिति केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री माननीय गजेंद्र सिंह शेखावत, उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की रही। महाकुंभ- 2025 के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रम में केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं संस्थानों के प्रतिनिधि, कई देशों के राजदूत, उच्चायुक्त एवं उच्चायोग के अधिकारियों, प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति उप्र.मुकेश कुमार मेश्राम, विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया के साथ-साथ केंद्र और प्रदेश के कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा आयोजित 'महाकुंभ-2025 प्रील्यूड' का प्रमुख उद्देश्य संगम नगरी प्रयागराज और वहां के तीर्थ स्थलों की झलक पेश करना रहा। यह विशेष आयोजन आध्यात्मिकता, संस्कृति और परंपराओं की उस महायात्रा का आरंभ है, जो 2025 में विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के रूप में सामने आएगी। 'प्रिल्यूड' का उद्देश्य महाकुंभ-2025 के आयोजन से पूर्व उसकी महत्ता, मूल्यों और तैयारियों को वैश्विक मंच तक पहुंचाना है।

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री माननीय गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा, 'महाकुंभ, भारत की समृद्ध और विविध संस्कृति तथा मानवता का उत्सव है। हम प्रयागराज में आयोजित होने वाले आगामी महाकुंभ- 2025 के लिए पूरे विश्व के लोगों को आमंत्रित करते हैं।

यह आयोजन वर्तमान के भू-राजनीतिक अशांत समय में वैश्विक एकता और सहयोग की भावना का प्रतीक है। हम महाकुंभ को सांस्कृतिक आदान-प्रदान के एक अनूठे अवसर के रूप में देखते हैं। यदि आप भारत घूमना चाहते हैं, तो अवश्य महाकुंभ का हिस्सा बनें। हम सभी यात्रियों के अनुभव को अद्वितीय बनाने के लिए आवास, परिवहन और महाकुंभ मेला क्षेत्र और उसके आसपास के निर्देशित दौरों के लिए हर प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तत्परता से काम कर रहे हैं।'

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा, 'भारत, वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया के मूलमंत्र को चरितार्थ करता है। महाकुंभ-2025 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम होने वाला है। 12 वर्ष बाद संगम नगरी प्रयागराज में यह सनातनी योग आया है, जिसका वैज्ञानिक कारण भी है।

इस दिव्य, भव्य एवं नव्य महाकुम्भ में कई विश्व कीर्तिमान स्थापित होने जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में वर्ष 2019 में आयोजित कुंभ का भव्य आयोजन किया था, जिसमें 25 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान, ध्यान, भ्रमण किया। इस सफल आयोजन की साक्षी पूरी दुनिया बनी थी। इस बार महाकुंभ मेले में विभिन्न तिथियों पर लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। त्रिवेणी में डुबकी लगाकर श्रद्धालु अपने जीवन को धन्य और मोक्ष प्राप्त करने का कार्य करेंगे। यह मानव कल्याण का बड़ा संयोग बनेगा।'

जयवीर सिंह ने आयोजन में आए हुए अतिथियों को महाकुंभ में आने के लिए आमंत्रित किया और आग्रह किया, कि 'आप अपने-अपने देशों, प्रदेशों और क्षेत्रों से श्रद्धालुओं को महाकुंभ में स्नान के लिए भेजें। हमारा विश्वास है कि सभी आगंतुक न केवल भारत की सांस्कृतिक, दार्शनिक और धार्मिक-आध्यात्मिक स्वरूप का आरक्षण करेंगे, बल्कि भव्य-दिव्य और नव्य आयोजन का अद्भुत आनंद लेंगे। मुझे लगता है ऐसा संगम, जहां अनेकता में एकता के सभी रूप दिखेंगे।' इससे पहले स्वागत संबोधन में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति उप्र.मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा, 'महाकुंभ के मद्देनजर आधारभूत संरचनाओं का विकास किया जा रहा है। परेड ग्राउंड के पास एक अत्याधुनिक टेंट सिटी का निर्माण हो रहा है, जिसमें विला, महाराजा टेंट और डीलक्स टेंट जैसी तीन श्रेणियों की आवासीय सुविधाएं होंगी। इसके अतिरिक्त, निजी क्षेत्र भी इस प्रयास में योगदान दे रहा है, जिसमें अरैल में 1,600 स्विस कॉटेज और झूंसी में 200 कॉटेज बनाए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए स्थानीय गाइड प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। साथ ही, रोमांचक हेलीकॉप्टर राइड्स और वॉटर स्पोर्ट्स जैसी गतिविधियां भी पेश की जा रही हैं।' महाकुंभ-2025 प्रील्यूड' में अतिथियों का भव्य स्वागत हुआ। तत्पश्चात, अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न प्रस्तुतियां हुईं। स्वागत भाषण के बाद सत्र में महाकुंभ- 2025 पर आधारित फिल्मों का प्रस्तुतिकरण हुआ। 'संवाद' (चर्चा सत्र) में अतिथियों ने अपने विचार रखे। आगंतुकों ने महाकुंभ में लगाई जाने वाली टेंट सिटी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

'महाकुंभ-2025 प्रिल्यूड' कार्यक्रम में सूरीनाम, मलेशिया, सेसेल्स, नेपाल, नीदरलैंड, इरिट्रिया, इराक, इजिप्ट, ग्रीस, मोजाम्बिक, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, ताइवान, गाम्बिया, स्विट्जरलैंड, सिंगापुर और पोलैंड आदि के राजदूत, उच्चायुक्त एवं उच्चायोग के अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में पर्यटन उद्योग से जुड़े उद्यमी, टूर एवं ट्रेवल ऑपरेटर, मीडिया से जुड़े गणमान्य अतिथियों की भी उपस्थिति रही।

सम्पादकीय

यूपी बीजेपी को मिलेगा ऐसा अध्यक्ष जो साधेगा सामाजिक समीकरण

उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नये अध्यक्ष की तलाश काफी तेजी से चल रही है। बीजेपी उत्तर प्रदेश में अपने संगठन के जरिए एक मजबूत सोशल इंजीनियरिंग बनाने की रणनीति पर काम कर रही है,जिसके चलते संभावना व्यक्त की जा रही है आलाकमान इस बार नये प्रदेश अध्यक्ष के पद पर किसी ऐसे नेता को बैठा सकता है जो दलित या महिला समाज से ताल्लुक रखता हो, इसके जरिये बीजेपी की सभी जातियों और वर्गों के बीच बैलेंस बनाने की है। गत दिवस 27 नवंबर को हुई बैठक में राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी नरेश बंसल ने कहा कि संगठन में सभी जातियों और वर्गों को उचित स्थान दिया मिलेगा। बैठक में यह भी कहा गया कि महिलाओं और दलितों की सहभागिता बढ़ाने पर बीजेपी खास ध्यान देगी ताकि राजनीति में उन्हें उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। बैठक में साफ तौर पर कहा गया है कि बीजेपी कोई परिवारवादी पार्टी नहीं, बल्कि परिवार भाव से चलने वाली पार्टी है. बीजेपी की दलित और महिलाओं को संगठन में जगह देकर भविष्य की राजनीति को साधने की स्ट्रैटेजी है। ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी को नए साल में प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। वहीं 16 से 30 दिसंबर के बीच जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की संगठनात्मक चुनाव में पर्यवेक्षक बनाया गया है। तावडे एक दिसंबर को चुनाव के संबंध में आयोजित बैठक में हिस्सा लेंगे। इससे पहले 28 से 2 दिसंबर तक जिला स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। चुनाव के लिए प्रत्येक तीन जिलों के लिए एक केंद्रीय पर्यवेक्षक बनेगा। वहीं 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों का चयन होगा। 6 दिसंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि बूथ स्तर पर मनाई जाएगी। वहीं 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जाएगी। तत्पश्चात 27 दिसंबर को पार्टी बाल शहीद दिवस मनाएगी। बता दें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का कार्यकाल पूरा हो चुका है और उनकी जगह पर नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। इससे पहले बीजेपी सभी बूथ कमेटी का गठन करने में लगी है, जिसके लिए 30 नवंबर की टाइम लाइन रखी गई है। यूपी में करीब 1.62 लाख से ज्यादा बूथों पर गठन होना है, जिसमें 35 फीसदी बूथों पर कमेटियां गठित हो चुकी हैं, जबकि बाकी बची बूथ कमेटियों का गठन 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाए। इसके बाद फिर एक से 15 दिसंबर के बीच मंडल अध्यक्ष और 16 से 30 दिसंबर तक जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया चलेगी. इससे पहले जिला स्तर पर बीजेपी कार्यशालाएं आयोजित करेगी। उधर, बीजेपी ने संगठन में युवाओं को अहमियत देने के उम्र लिमिट तय कर दी है। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने बताया कि मंडल अध्यक्ष की आयु 35 से 45 वर्ष के बीच और जिलाध्यक्ष की आयु 45 से 60 वर्ष के बीच होगी। ऐसे में साफ है कि बीजेपी 45 साल से ऊपर के उम्र वालों को मंडल अध्यक्ष नहीं बनाएगी और न ही 60 साल से ज्यादा उम्र वालों को जिला अध्यक्ष की कमान सौंपेगी। बीजेपी ने तय किया है कि दो बार मंडल अध्यक्ष रहने वाले नेताओं को तीसरी बार मंडल अध्यक्ष नहीं बनाएगी। इसके अलावा बीजेपी ने जिला अध्यक्ष के लिए तय किया है कि जिला अध्यक्ष की कमान उसे ही मिलेगी, जो 7 से 8 साल तक संगठन में काम करने का अनुभव होगा। इसके अलावा मौजूदा समय में बीजेपी के संगठन में किसी पद पर होना हो, उसे ही पार्टी जिले का अध्यक्ष बनाएगी।

> ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी को नए साल में प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। वहीं 16 से 30 दिसंबर के बीच जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी।

संविधान सबसे पवित्र ग्रंथ नहीं, महज एक कानूनी ग्रंथ है जो भेदभाव से परे नहीं है!

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान दिवस पर संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि संविधान सबसे पवित्र ग्रंथ है, क्योंकि हमने संविधान के जरिए सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के कई बड़े लक्ष्यों को हासिल किया है। संविधान निमार्ताओं की प्रगतिशील और समावेशी सोच की छाप हमारे संविधान पर अंकित है। हालांकि, यह कहना गलत नहीं होगा कि संविधान सिर्फ एक कानूनी का ग्रंथ है, सबसे पवित्र ग्रंथ नहीं! क्योंकि पवित्र ग्रंथ तो वेद-पुराण, बाइबिल, कुरान आदि धार्मिक पुस्तकें हैं, जिनकी पंक्ति में किसी भी कानूनी दस्तावेज को खड़ा करना इन विश्वासों को खंडित करने जैसा है। दुनिया भर के संविधान इन आरोपों से परे नहीं हैं। लिहाजा, राष्ट्रपति मुर्मू के इस विचार से पवित्र और पवित्रता शब्द के उपयोग पर एक नई बहस छिड़ना लाजिमी है। क्योंकि किसी भी धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था/वस्तुओं के लिए पवित्र शब्द का उपयोग करना, न तो भाषा सम्मत है, न ही न्यायसंगत! इससे विषयगत भ्रांतियां पैदा होती हैं। सच तो यह है कि भारत का संविधान सबसे पवित्र ग्रंथ नहीं, बल्कि सिर्फ एक कानूनी ग्रंथ है जो भेदभाव से परे नहीं है, इसलिए इसमें जनहित के नजरिए से व्यापक बदलाव अपेक्षित है! ऐसी मांगे समय-समय पर उठती आई हैं जिसे बहुमत द्वारा दबा दिया जाता है। इसलिए सर्वसम्मति वाले लोकतंत्र की जरूरत यहां ज्यादा है, क्योंकि यह विविधताओं में एकता वाला देश है। यहां के नियम-कानूनों में जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र आदि की बू नहीं आनी चाहिए, लेकिन ऐसा है! वहीं, रही बात संविधान के पवित्र ग्रन्थ होने की तो यहां पर यह याद दिलाना जरूरी है कि पवित्र शब्द किसी ऐसी चीज का वर्णन करता है जो किसी देवता की सेवा या पूजा के लिए समर्पित या अलग रखी गई हो; जबकि भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष है। इसलिए पवित्र शब्द से इसकी उपमा दिया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। वैसे भी पवित्रता आध्यात्मिक सम्मान या भक्ति के योग्य मानी जाती है; या विश्वासियों के बीच भय या श्रद्धा को प्रेरित करती है। अमूमन, संपत्ति को वस्तुओं (एक 'पवित्र कलाकृति' जिसे सम्मानित और आशीर्वाद दिया जाता है), या स्थानों ('पवित्र भूमि') के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, लेकिन इससे मतभिन्नता पैदा होती है। आधुनिक लोकतंत्र के जन्मदाता फ्रांस के समाजशास्त्री एमिल दुर्खीम ने पवित्र और अपवित्र के बीच के द्वंद्व को धर्मविशेष की केंद्रीय विशेषता माना है। क्योंकि ₹धर्म पवित्र चीजों से संबंधित विश्वासों और प्रथाओं की एक एकीकृत प्रणाली है, यानी अलग रखी गई और निषिद्ध चीजें।₹ दुर्खीम के सिद्धांत में, पवित्र समूह के हितों का प्रतिनिधित्व करता है, विशेष रूप से एकता, जो पवित्र समूह प्रतीकों में सन्निहित है, या मुसीबत से बाहर निकलने में मदद करने के लिए टीम वर्क का उपयोग करती है। दूसरी ओर, अपवित्र में सांसारिक व्यक्तिगत चिंताएँ शामिल हैं। यह भी कड़वा सच है कि हमारा संविधान मनुस्मृति और चाणक्य के अर्थशास्त्र आदि व्यवस्थागत पुस्तकों का एक महज विस्तार भर है, जिसमें आधुनातन विचार शामिल किए गए हैं। यह इससे ज्यादा कुछ नहीं है! आप मानें या न मानें, लेकिन हमारा संविधान भी बहुमत पर आधारित एक सत्तागत प्रवृत्ति का द्योतक है जो सत्ता की प्रकृति के बदलते ही बदल जाएगी। भले ही इसमें सभी धर्मों/मतों की जरूरतें शामिल हैं, फिर भी इस्लाम मतावलंबियों द्वारा जिस तरह से सरिया कानून लागू करने की मांग उठ रही है, वह तो महज एक उदाहरण है। इसी तरह सनातन मतावलंबियों में भी वैदिक कानून लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है, जो हिन्दू धर्म/सनातन मान्यताओं की परम्पराओं पर आधारित हों। वहीं, आदिवासी समुदाय की ओर से भी ऐसी मांगें उठी हैं। ऐसी मांगे भविष्य में सभी धर्मावलंबियों के द्वारा की जा सकती है। ऐसा किया जाना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि भारत के संविधान की रचना पश्चिमी देशों की मान्यताओं के अनुरूप की गई है, जो भारत के पुरातन संस्कारों से ज्यादा मेल नहीं खाती है। इसलिए इस पर एक स्वस्थ परिचर्चा अपेक्षित है। वैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस मत से सहमत हुआ जा सकता है कि संविधान हमारी हर जरूरत और अपेक्षा पर खरा उतरा है, जो हमारा मार्गदर्शक है। देश में जब इमरजेंसी लगी तब भी संविधान ने लोकतंत्र की चुनौतियों का सामना किया और वह हर अपेक्षा पर खरा उतरा। परिवर्तन के दौर में संविधान गाइडिंग लाइट की तरह है जो रास्ता दिखा रहा है। उन्होंने स्वीकार किया है कि, विभिन्न मुद्दों पर संविधान सभा में लंबी बहस हुई थी और गम्भीर चर्चाएं हुई थी। लिहाजा, संविधान में ऐसी व्यवस्था की गई है कि उचित समय पर निर्णय लेते हुए इसकी व्याख्या की जा सकती है।

> वहीं, रही बात संविधान के पवित्र ग्रन्थ होने की तो यहां पर यह याद दिलाना जरूरी है कि पवित्र शब्द किसी ऐसी चीज का वर्णन करता है जो किसी देवता की सेवा या पूजा के लिए समर्पित या अलग रखी गई हो; जबकि भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष है।

बाल विवाह से मुक्ति बेटियों को देगा खुला आसमान

देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने, बढ़ते बाल-विवाह से प्रभावित बच्चों के जीवन को इन त्रासद परम्परागत रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिये सरकार ने बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत करके एक सराहनीय एवं स्वागतयोग्य उपक्रम से हिम्मत और बदलाव की मिसाल कायम की है। यह एक शुभ संकेत एवं श्रेयस्कर जीवन की दिशा है। यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है? क्यों लोग परंपराओं के खूंटे से बंधकर अपने मासूस बच्चों एवं बचपन से खिलवाड़ करते हैं?

हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत दूरगामी मानवीय सोच से जुड़ा एक संवेदनशील आह्वान एक नई सुबह की आहट एवं क्रांति के विस्फोट की संभावना है। यह अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है, एक रोशनी है, एक मंजिल है, एक सकारात्मक दिशा है। एक वादा है देशभर में बाल विवाह पर जागरूकता फैलाने और समाप्त करने का। यह नये भारत-सशक्त भारत की बुनियाद है। बाल विवाह रोकने के तमाम कार्यों, योजनाओं और कानूनों के बावजूद अगर कामयाबी नहीं मिल रही है, तो जाहिर है, एक विशेष अभियान छेड़कर केन्द्र सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। यह राष्ट्रीय अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई प्रमुख योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की सफलता से प्रेरित है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लड़कियों के बीच शिक्षा, कौशल, उद्यम और उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं बेटियों की आशाओं, आकांक्षाओं, संकल्पों से भरे सपनों की उड़ान को खुला आसमान देने में सक्षम होगा। यह सुखद बात है कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2029 तब बाल विवाह की दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के मकसद से विशेष कार्य योजना बनाने का आग्रह किया है। यह बचपन की मासूमियत छीनने वाली 'बालविवाह' की बेड़ियों को तोड़ते हुए जागृति का एक शंखनाद किया है, एक समाज-क्रांति के बीज को रोपा गया है। सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है।

इसीलिये बाल-विवाह पर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा भी है कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। केंद्रीय मंत्री ने उचित ही कहा है कि बाल विवाह मानवधिकारों का उल्लंघन और कानून के तहत अपराध है। अच्छी बात है, सरकार ने अब एक तरह से मान लिया है कि कानून को जितना काम करना था, उसने किया इसके आगे अब विशेष अभियान की जरूरत है। बाल विवाह को रोकने के लिए अकेले कानून के भरोसे न बैठते हुए ठोस जागृति-अभियान की अपेक्षा है। अब सरकार ने इस सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिये कमर कसी है, तो उसका स्वागत होना चाहिए एवं इस अभियान को व्यापक रूप देना चाहिए। बाल विवाह की कुरीति को देश में व्यापकता से देखने को मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह मानवाधिकार उल्लंघन का सबसे खराब स्वरूप है। ठोस प्रयासों के बावजूद आज भी लगभग पांच में से एक लड़की का विवाह विधि सम्मत आयु 18 वर्ष से पहले कर दिया जाता है। किसी शहर में अगर एक विवाह सत्र में 1000 शादियां होती हैं, तो उनमें से 200 शादियों में दुल्हन की उम्र शादी लायक वैध नहीं होती। बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को यह भी बताया कि पिछले एक साल में लगभग दो लाख बाल विवाह रोके गए हैं। मतलब, सामाजिक संस्थाएं और पुलिस काम तो कर रही हैं, पर मंजिल अभी दूर है। बाल विवाह की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, असम और आंध्रप्रदेश में है। देश में 300 ऐसे जिले हैं, जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। ऐसा लग रहा है, लोग बेटियों का जीवन तो बचा रहे हैं, प्राथमिक शिक्षा भी देने लगे हैं, पर उन्हें अधिक पढ़ाने और आगे बढ़ाने पर उनका ध्यान नहीं है। बेटियों की जब कम उम्र में शादी होती हैं तो श्रम बल के रूप में न केवल उनकी उत्पादकता, बल्कि देश की क्षमता पर भी असर पड़ता है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' की भविष्य दृष्टि से प्रेरित नये समाज की संरचना का दूरगामी प्रकल्प है। बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है। इन सब दृष्टियों से यह अभियान सदियों से चली आ रही इस त्रासद परम्परा से मुक्ति का माध्यम बनेगा। पढ़ी-लिखी लड़की अगर विवाह-योग्य उम्र से ब्याही जाए, तो वह परिवार और समाज के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। कम उम्र में विवाह से न केवल संतानों की गुणवत्ता बल्कि परिवार की आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक क्षमता पर भी असर पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बाल विवाह दर में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बढ़ती उम्र को स्वीकारना भी तनाव मुक्त जीवन जीने का सबसे बेहतर तरीका है

डॉ. आनन्द शर्मा

बढ़ती उम्र का मतलब यह नहीं कि आप बूढ़े हो गए हैं या जिंदगी का लुफ्त नहीं उठा सकते, वास्तव में यह धारणा समाज में घर कर रही है किस तरह से उमर को छुपाया जाए। आप देखेंगे पूरे दिन भर आपको गोरा बनाने के लिए बहुत सारी क्रीम के ऐड और विज्ञापन चलते रहते हैं, जिसमें यह बताया जाता है कि किस तरह से आप अपनी झुर्रियों को खत्म कर सकते हैं। अपने डेड सर्कल्स को हटा सकते हैं, बालों को किस प्रकार काला रख सकते हैं, आप अपने स्टैमिना को किस प्रकार बरकरार रख सकते हैं। अनेक प्रकार की दवाइयां और विज्ञापन यह समझने की कोशिश बार-बार कर रहे हैं कि बूढ़ा होना जैसे की अभिशाप है और इससे यह दवाइयां और क्रीम ही आपको केवल बचा सकते हैं। आप जरा अपनी तबियत की बात लोगों से करके देखिए!

कुछ लोग आपको तुरंत सलाह देंगे कि योग करिए,प्रायाणाम करिए, चाहे वह व्यक्ति अपने जीवन में योग और प्रायाणाम से कोसों दूर हो। वास्तव में हमें सच्चाई को समझने की आवश्यकता है ऐसी कोई क्रीम नहीं जो हमारे काले रंग को गोरा कर सके और हमारे कमजोर होती मसल्स को यंग बना सके। ऐसा कोई हेयर ऑयल या शैंपू नहीं जो गिरते झड़ते बालों को रोक सके और उन्हें काला बना सके, इसलिए जीवन जीने का तरीका यही है जो मन करे उसे खाइए लेकिन उसका आपके शरीर पर क्या प्रभाव पड़ेगा इसका ध्यान हो, सबसे अधिक महत्वपूर्ण यही है कि लोग यह तो बताते हैं कि क्या खाए लेकिन हमें इस बात पर भी ध्यान रखना चाहिए कि क्या नहीं खाना है? बुजुर्ग कह कर गए हैं कि सो दवाई और एक परहेज बराबर है।

हमेशा अपने काम में व्यस्त रहिए आलसीपन और खालीपन जीवन में अनेक तनाव और बुराइयां लेकर आता है। सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का जीवन में लगातार जो हस्तक्षेप बढ़ रहा है इसने इंसान को चिड़चिड़ा, सनकी और असामाजिक बना दिया है। इसका दुष्परिणाम हमारे चेहरे आंखों व शरीर पर दिखाई दे रहा है। मौसम की सब्जियां और फल खाएं शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी नहीं कि जिम वाली कसरत ही हो, हल्की दौड़, हल्का व्यायाम आप कर सकते हैं। अनेक प्रकार के आसन योग जीवन शैली में बदलाव के लिए बहुत उपयोगी है। ध्यान रखिए कोई भी मशीन धीरे-धीरे पुरानी होती है आप उसके रखरखाव से उसे लंबे समय तक क्रियाशील रख सकते है किंतु उसे नया नहीं बना सकते। इसी प्रकार शरीर भी है,यह दिन प्रतिदिन पुराना हो रहा है आप इसे नया नहीं बना सकते आप इसमें बच्चों जैसी मांसपेशियां, जवान जैसी ताकत नहीं ला सकते किंतु हर उम्र में इसे क्रियाशील बनाए रखना यह आपकी जिम्मेदारी है और यह संभव है केवल अच्छे भोजन, अच्छी नींद और अच्छे विचारों से।

आजकल एक बड़ी प्रचलित कहावत है कि खुश रहने के लिए बहुत ज्यादा पैसे की आवश्यकता नहीं है लेकिन खुश रहने का दिखावा करने के लिए बहुत पैसे की आवश्यकता होती है। कोई बात नहीं नाक मोटी है, कोई बात नहीं स्किन काली है, कोई बात नहीं आप बहुत लंबे हैं या बहुत पतले हैं या बहुत मोटे हैं।

बाल कम है बहुत घने हैं।यहां कोई परफेक्ट नहीं है हर्बल ना कोई एलोपैथिक शरीर के साथ बहुत ज्यादा प्रैक्टिकल करने से वह अपनी मासूमियत खोने लगता है। शरीर की सुंदरता से अधिक यदि हम मन की सुंदरता और विचारों पर ध्यान देंगे तो शरीर अपने आप ही खूबसूरत बनने लगेगा। इंटरनेट पर पड़े ज्ञान को यदि पल-पल अपने जीवन में ठूसा जाएगा तो इसका बड़ा भयानक परिणाम होगा आपके ग्रह नक्षत्र सब हमारे परिश्रम और कर्म के अनुसार ही फल देते हैं। बहुत ज्यादा टोने टोटकों से बचते हुए जीवन को सरल तरीके से जीने का अभ्यास आज से ही शुरू किया जाए।

अक्षरबोधि न होने पर भी पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी ने किया, भगवान राम के दिव्य जीवन का साक्षात वर्णन

भगवान राम की दिव्यता में माता कौशल्या का तप

डॉ. कृष्ण अवतार त्यागी

27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर- सलेमाबाद में, एक विशेष बालक का जन्म हुआ जो बचपन से ही जब भी यह बालक सीधा, श्वासन की मुद्रा में लेट जाता या लिटा दिया जाता, तो उसकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में अक्षर बोध भी न करने वाला ग्रामीण बालक, उसके मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ। कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं क्रमिक रूप से माता कौशल्या का दिव्य और तपस्वी जीवन)

यज्ञ की दक्षिणा

राजा दशरथ के यहा जब पुत्रेष्टि याग हुआ तो उस याग में नाना देवता, बुद्धिमान महापुरुषों को आगमन हुआ। जब याग की समाप्ति हुई,तो वहां दक्षिणा का प्रश्न आया। राजा ने अपनी शक्ति के अनुसार गऊ और मुद्राएं प्रदान की। परन्तु माता कौशल्या के हृदय में यह आकांशा उत्पन हुई,कि मै भी ब्राह्मण समाज को, बुद्धिमानों को गऊएं दक्षिणा में दूं।

जब माता कौशल्या दक्षिणा देने के लिए तत्पर हुई,तो उस समय ऋषियो ने कहा-हे देवी! हमें यह दक्षिणा नही चाहिये, हम तुमसे मुद्रा नही चाहिये। वह बोली तो महाराज! क्या चाहते हो? उन्होने कहा-हम संकल्प चाहते है। हमें यह प्रतीत हो रहा है कि इस समय अराजकता आ गयी है। अराजकता को समाप्त करने के लिए महापुरूषो को चाहते है। इस संसार में एक महापुरूष होना चाहिए,ऋषि मुनियो ने कहा-हे देवी! हम यह चाहते है,तुम्हारे गर्भस्थल से ऐसी सन्तान का जन्म होना चाहिये,जिसकी आभा चन्द्रमा की भांति शीतल और महान बन करके अमृत को बहाने वाली हो,जो राष्ट्र का उत्थान करने वाली हो। आज महापुरूषो की रक्षा होनी चाहिये।

तो हम यह चाहते है कि तुम्हारे गर्भ से ऐसे बाल्य का जन्म होना चाहिये, जिससे राष्ट्र और समाज महान से महान पवित्रता को प्राप्त हो जाये। ऋषि ने कहा-हे पुत्री हम यह चाहते है कि तुम्हारे गर्भ से ऐसे बालक का जन्म होना चाहिये,

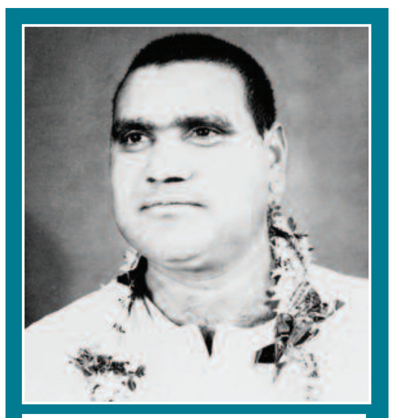

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

जो राष्ट्र और समाज को ऊंचा बनाये और संसार में रूढ़ि न रह पायें क्योंकि ईश्वर के नाम पर जो रूढ़िया होती है वह राष्ट्र और समाज का विनाश कर देती है। जब ऋषि ने इस प्रकार वर्णन किया।

तो माता कौशल्या ने इन वाक्यों को श्रवण किया और दक्षिणा प्रदान की,उनके विचारों की पूजा करने लगी और कहा कि-प्रभु! जब मै विद्यालय में अध्ययन करती थी,उस समय भी मेरे पूज्यपाद गुरुदेव मुझे यह प्रकट कराया करते थे,कि मानव को अपने जीवन में स्वतन्त्र रहना चाहिये। मानव को स्वतन्त्रता से महता प्राप्त होती है। इसीलिए मैंबहुत समय से अपने विचारों को महान बनाने के लिए कल्पना करती रही हूँ। आज भी मै कल्पना कर रही हूँ। यदि समय बलवती बनेगा तो आप जो मुझे प्रेरणा दे रहे है। मैं उस प्रेरणा को अवश्य पूरा करूंगी।(प्रवचन सन्दर्भ 18-11-1986)

ऋषि ने पुनः कहा कि -हे दिव्या! रघुवंश और राजा रघु का जो राज्य था,महाराजा दिलीप की जो उतम प्रणाली थी उसमें सूक्ष्मवाद आ गया है। माता कौशल्या बोली- ऋषिवर !पूज्यपाद!! जो तुम क्या चाहते हो वर्णन करो? उन्होने कहा-तुम्हारे गर्भ से एक ऐसे बाल्य का जन्म होना चाहिये, जो तपस्या में ही परिणीत होने वाला हों माता कौशल्या ने यह स्वीकार कर लिया और उन्होने कहा कि- भगवन! मै तपस्या में ही अपने जीवन को व्यतीत करूंगी, मै राष्ट्र का अन्न नही ग्रहण करूंगी। यह उन्होने संकल्प किया,मुझे वह काल स्मरण आता रहता है कि कैसे उन्होने अपने में संकल्प किया और अपने गृह में वास करने लगी।(प्रवचन सन्दर्भ 14-04-1986)

माता कौशल्या ने स्वयं अन्न को एकत्रित करना प्रारम्भ किया। स्वयं कला-कौशल करना उन्होने प्रारम्भ किया और जो भी कला-कौशल से द्रव्य आता उसको वह ग्रहण करती रहती। जब वह ग्रहण करती रहती,तोउनकेमस्तिष्क में महान तरंगो का जन्म होने लगा।(प्रवचन सन्दर्भ 31-07-1990)

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

अवैध भूजल दोहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

नगर मजिस्ट्रेट, नोएडा प्राधिकरण एवं भूर्गभ जल विभाग के अधिकारियों ने अवैध बोरवेल किया सील

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद में अवैध भूजल दोहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नगर मजिस्ट्रेट, प्राधिकरण एवं भूगर्भ जल विभाग के अधिकारी गण निरंतर स्तर पर अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं।

इसी श्रृंखला में आज नोएडा के गढ़ी चौखंडी व ऋछऋविहार में अवैध भूजल दोहन के संबंध में प्राप्त ऑनलाइन शिकायत पर संज्ञान लेते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे द्वारा निर्गत निदेर्शों के क्रम में नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्रा, नोएडा प्राधिकरण (सिविल) के अधिकारियों तथा भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्रा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान हिंडन नदी के किनारे श्मशान घाट के पास सत्य प्रकाश पुत्र रामलाल की जमीन पर अवैध बोरवेल स्थापित पाया गया, जिसको मौके पर ही मौजूद अधिकारियों की उपस्थिति में सील कर दिया गया। इसके अतिरिक्त FNG विहार नोएडा में स्थापित 1 आर ओ प्लांट मनोज यादव पुत्र राजपाल द्वारा संचालित तथा 1 आर ओ प्लांट देवेंद्र पुत्र भीष्म द्वारा संचालित, दोनों को बंद कराया गया। उन्होंने बताया कि अवैध बोरवेल चलाने एवं आर ओ प्लांट के स्वामियों के विरुद्ध जुमार्ना लगाने की कार्रवाई की जाएगी। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार अवैध भूजल दोहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के नेतृत्व में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाकर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सलाम नमस्ते में युवा महोत्सव का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में युवा महोत्सव का आयोजन हुआ। शुक्रवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में छात्रों के लिए गीत, संगीत, सामाजिक कार्य, कला, संस्कृति भाषा एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं सलाम नमस्ते द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नोएडा एवं गाजियाबाद के गांव के बच्चे एवं कलाकार ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड वर्षा छबारिया ने बताया कि युवा पीढ़ी को जागरूक करने एवं उनके हुनर को मंच प्रदान करने के लिए हम युवा महोत्सव मना रहे है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारी कोशिश देश की कला संस्कृति एवं स्थानीय भाषाओं को आम जनमानस के बीच पहुंचाना है। आज के कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने ग्राहक जागरूकता, स्वच्छता, भारतीय कला, स्थानीय भाषा एवं गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. विकास धवन ने अपने संबोधन में कहा कि युवा महोत्सव जैसे आयोजन हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के साथ-साथ उनकी सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने का एक बेहतरीन माध्यम हैं। यह कार्यक्रम न केवल छात्रों को मंच प्रदान करते हैं बल्कि उन्हें समाज और संस्कृति से जुड़ने की दिशा भी दिखाते हैं। आज के कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने छात्रों, ग्रामीण प्रतिभाओं और स्थानीय समुदाय को एकजुट करके एक सकारात्मक संदेश दिया।

संविधान दिवस पर आयोजन

संवैधानिक लोकतंत्र व देश की आजादी में पत्रकारिता का अहम भूमिका: नंद गोपाल वर्मा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। भारतीय संविधान दिवस के मौके पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के ग्रेटर नोएडा खेरली नहर स्थित कार्यालय पर समाजसेवी तिलक भाटी की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय सचिव नंद गोपाल वर्मा ने कहा है कि भारत देश को आजादी दिलाने एवं देश के लोकतांत्रिक संविधान की रक्षा कराने में पत्रकारिता की अहम भूमिका रही है किंतु देश में पिछले एक दशक के दौरान स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति अथवा प्रेस की आजादी पर कुठाराघात भी होता रहा है परिणामतया देश में हुई करीब 240 पत्रकारों की हत्या बहुत चिंतनीय है, इन सब की वजह संविधान में पत्रकारिता की अधिकारिकता सुनिश्चित नहीं होना है। इसलिए भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ आज संविधान दिवस पर केंद्र सरकार से मांग करता है कि स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति अथवा स्वतंत्र पत्रकारिता को वर्तमान में चल रहे संसद के शीतकालीन अधिवेशन के दौरान संसद में प्रस्ताव पारित कराके पत्रकारिता की अधिकारिकता को संवैधानिक दर्जा प्रदान कराया जाए। गोष्टी को पत्रकार संदीप भट्ट समेत अन्यों भी ने संबोधित किया। इस मौके पर संतराम भाटी, रोहित भाटी, भीम भाटी, मुकेश पेंटल, कौशल भाटी, बॉबी भाटी, अनिल कुमार, मुकेश कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

महापौर सुनीता दयाल ने किया साऊथ साईट इंडस्ट्रियल एरिया का औचक निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। चुनाव के दौरान महापौर सुनीता दयाल ने विजय नगर क्षेत्र में जन सम्पर्क किया था तब अधिकतम शिकायत डोर टू डोर कूड़ा लेने के लिए गाड़ी न आने की मिली जिसमे महापौर ने उसी समय औचक निरीक्षण के मन बना लिया था इसी क्रम में आज वार्ड 27,25 साऊथ साईट ऑफ जी टी रोड इंडस्ट्रियल एरिया में और क्रोसिंग में महापौर सुनीता दयाल ने औचक निरीक्षण किया जिसमे पार्षद कन्हैया लाल, पार्षद नरेश जाटव, अवर अभियंता एस के सरोज आदि उपस्थित रहे।

निरीक्षण में महापौर ने पाया कि इंडस्ट्रियल एरिया में नगर निगम का गैराज है जिसमे डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन की गाड़ियां खड़ी होती है और 10-11 बजे गाड़ियों को कूड़ा लेने के लिए क्षेत्र में होना चाहिए जबकि अधिकतम गाड़ियां गैराज में ही मौजूद मिली महापौर से गैराज पर उपस्थित सुपरवाइजर के विषय मे जाना तो पता चला वह 8 बजे आता है और फिर चला जाता है।

विजय नगर जोन में नगर निगम स्वम ही कूड़ा अपनी 150 गाड़ियां से कलेक्ट कर रहा है लेकिन लगभग सभी वार्डो में यह शिकायत मिल रही है कि गाड़ी कूड़ा लेने सप्ताह में 1 या 2 दिन या आती ही नही है जिसको लेकर महापौर ने निरीक्षण किया है, जिसमे यह भी सामने आया कि बहुत से टैम्पो की बैट्री चोरी हो गयी है और बहुत से टेम्पो खराब हैं जिसमे महापौर ने सख्ती दिखाते हुए संबंधित अधिकारी को लताड़ लगाई। साथ ही इंडस्ट्रियल एरिया के एक प्लॉट में कूड़ा पड़ा था जिसको लेकर महापौर ने अधिकारियों को तत्काल कूड़ा हटाये जाने और कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश दिए हैं। साथ ही डोर टू डोर कूड़े की गाड़ियों को नियमित समय तक क्षेत्र में कूड़ा उठाने और घर घर/गली गली भेजने के भी निर्देश दिए है और संबंधित कर्मचारियों पर सख्ती के भी निर्देश दिए हैं।

पल्टन ने हार का सिलसिला तोड़ा, रोमांचक मुकाबले में गुजरात जाएंट्स को हराकर शीर्ष-3 में पहुंचे

नोएडा। पुनेरी पल्टन जिस जज्बे के लिए जानी जाती है उसी का प्रदर्शन करते हुए उसने नोएडा इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए प्री कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 84वें मैच में गुजरात जाएंट्स को 34 - 33 के स्कोर से हराते हुए अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। इसी के साथ पल्टन ने लगातार दो मैचों से चले आ रहे हार के सिलसिले तो भी तोड़ दिया।

उसने 15 मैचों में सातवीं जीत हासिल की है जबकि लगातार दो जीत के बाद गुजरात फिर निराश हुए हैं। उसे गुमान सिंह के 16 अंकों के बावजूद 15 मैचों में नौवीं हार मिली। पल्टन के लिए आकाश शिंदे ने सुपर-10 लगाया। गुजरात ने शुरूआती 10 मिनट में 12-9 की लीड ले ली थी।

गुमान ने सुपर रेड के साथ शानदार शुरूआत दिलाई। उसने एक समय 5-1 की लीड ले ली थी और पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में भी डाल दिया था लेकिन पल्टन ने खुद को इससे उबारते हुए स्कोर 9-9 कर गुजरात को सुपर टैकल में डाला। गुजरात ने हालांकि सुपर टैकल के दो अंक हासिल कर लिए।

दादरी में पकड़े गए लगभग 300 टन गौ मांस को लेकर हो रही महा पंचायत की स्थगित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। गौ रक्षा हिन्दू दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद नागर ने बताया 1 दिसम्बर की हो रही महा पंचायत को जिला पूलिस आयुक्त महोदया की कारवाही को देखते हुए स्थगित कर दिया गया है। वेद नागर ने बताया ज़िला गौतम बुध नगर की पुलिस आयुक्त महोदया ने जो कारवाही की है उस से उम्मीद जगी है की कोल्ड स्टोरेज के मालिक पूरन जोशी समेत सभी अन्तराष्ट्रीय गौ मांस की सप्लाई करने वाले कसाईयो पर कठोर कार्यवाही होगी पूलिस प्रशासन के अधिकारियों से आश्वासन मिला है की कोई भी बख्शा नहीं जायेगा उसी समय रहते दादरी पुलिस कठोर कारवाई कर देती तो सनातन धर्म की भावनाओं को ठेस नही पहुँचती हमारी भावनाओं ओर इतनी बड़ी गौ मांस की पकड़ी खेप को पुलिस आयुक्त ने गम्भीरता से लेते हुए कठोर कार्यवाही की है 300 टन गौ मांस के लिये 10/12 हजार गाय कटी होगी। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता हमें पुरी उम्मीद है जल्द योगी सरकार के द्वारा जोशी समेत सभी कसाईयो पर कठोर कार्यवाही के साथ कोल्ड स्टोरेज मिट्टी में मिलाया जाएगा जल्द एक गौ रक्षकों का प्रतिनिधि मंडल पुलिस आयुक्त से मिलकर कोल्ड स्टोरेज में पकड़े गये गौ मांस का अलग मुकदमा हो पुरा कोल्ड स्टोरेज सिल हो एनएसए की कार्यवाही हो आदि मागो से लिखित में अवगत करायेगा अगर कोई ठोस कार्यवाही नहीं होती तो माननीय विधायक नन्द किशोर गूर्जर जी व शंकराचार्य व साधु संतों का सहयोग लेकर एक बड़ी महा पंचायत कर आन्दोलन की रूपरेखा तैयार की जायेगी।

बीके शर्मा व वीके अग्रवाल ने किया विधायक संजीव शर्मा का अभिनंदन

गाजियाबाद। विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान, परमार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष वीके अग्रवाल ने शहर विधायक संजीव शर्मा का फूलों की माला अंगवस्त्र एवं भगवान परशुराम का स्मृति चिन्ह फरसा देकर किया अभिनंदन दोनों समाज सेवीयों ने कहा कि शहर विधायक माननीय संजीव शर्मा हर चुनौती को अवसर में बदलने का माद्दा रखते है।

वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए यह जीत विपक्ष के मन में भय उत्पन्न करेगी। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा और सघन जनसंपर्क के माध्यम से सरकार की योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा।

इससे 2027 में हमारी सफलता और बड़ी होगी। इस अवसर पर विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल पंडित, वरिष्ठ समाजसेवी मुकेश गुप्ता, जितेंद्र भटनागर आदि मौजूद थे।

रोहिणी के जापानी में सजेगा श्रीराम कथा व बालाजी महोत्सव का भव्य दरबार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। श्री बालाजी निष्काम सेवा समिति रजि. पिछले 12 सालों से बाला जी महाराज का कीर्तन श्री बालाजी महोत्सव नाम से बड़ी धूमधाम से मनाते आ रहे हैं।

इस वर्ष भी दिल्ली के रोहिणी स्थित जापानी पार्क में श्री बालाजी निष्काम सेवा समिति रजि. द्वारा 12+1वां भव्य श्री राम कथा व बालाजी महोत्सव तथा विशाल सामूहिक शुभविवाह 15 से 22 दिसम्बर तक होने जा रहे हैं। श्री बालाजी निष्काम सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने बताया कि 12+1वां श्री बालाजी महोत्सव में मषहूर कथा वाचक परम पूज्य श्री देवकीनंदन ठाहुर जी महाराज के सानिध्य में भव्य श्री राम कथा को सुनाएगें हर साल की तरह इस बार भी 11 गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह भी किया जाएगा। कथा मे शीतल पांडेय, धर्म नागर, पूजा आनंद, लोकेश गोयल सहित कई नामचीन कलाकार अपने भजनों दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे व मंच का संचालन लोकेष गोयल द्वारा किया जाएगा।

इस महोत्सव को सफल बनाने में समिति के कई गणमान्य सदस्य चेयरमैन रितेश बंसल, संस्थापक अध्यक्ष राकेश गुप्ता, महासचिव महेश अग्रवाल, प्रवीण चैधरी, उमेश अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, राजीव गुप्ता, आशीष मित्तल, सतपाल बंसल, अमित जैन सहित संस्था के कई गणमान्य सदस्य महोत्सव को सफल बनाने में भरपूर प्रयास कर रहे हैं।

हिन्दुओ की आवाज उठाने पर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के साथ अनुचित व्यवहार : दिव्य अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिन्दुओ के साथ मजहबी चरमपंथियों द्वारा जो बर्बरता की जा रही है वह सर्वविदित है जिसके निमित कुछ लोग अपना विरोध विभिन माध्यमों से दर्ज करा रहे हैं। यदि राजनितिक दलों की बात की जाय तो भाजपा के अतिरिक्त कोई अन्य दल हिन्दुओ के नरसंघार पर कुछ बोल नहीं रहा परन्तु राजा भैया जो कुंडा से विधायक और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के मुख्या हैं वो इस विषय पर पूरी मुखरता के साथ निरतंर बोल रहे हैं आज इसी श्रखला में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के बैनर तले विधान परिषद् सदस्य कुंवर अक्षय प्रताप जी के नेतृत्व में एक ज्ञापन बांग्लादेश राष्ट्रपति और भारत के राष्ट्रपति को देना निर्धारित हुआ जिसमे मुख्यतः तीन मांगे थी , प्रथम हिन्दू समाज पर अत्याचार बंद हो, दूसरी चिन्मय कृष्ण दास जी की अविलम्ब रिहाई हो और अंतिम हिन्दू मंदिरो की तोड़फोड़ बंद हो । यह तीनो मांगे उचित और भारत के हिन्दुओ के मनोभाव के अनुरूप थी लेकिन दिल्ली पुलिस द्वारा जनसत्तादल लोकतांत्रिक को यह ज्ञापन देने हेतु बांग्लादेश दूतावास जाने नहीं दिया गया। यह माना जा सकता है की प्रोटोकॉल के तहत वहां जाने नहीं दिया जाए लेकिन टएअ मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स के अधिकारियों के माध्यम से तो यह ज्ञापन लिया जा सकता था यदि इतना भी नहीं तो दिल्ली पुलिस के उच्च अधिकारी इस ज्ञापन को ले सकते थे परन्तु ऐसा हुआ नहीं अपितु संवैधानिक पद पर बैठे अक्षय प्रताप सिंह जी और पार्टी के सभी पदाधिकारियों को बस में भरकर दिल्ली बॉर्डर बवाना थाना के जाकर डिटेन किया गया । देखा जाए तो यह अनुचित व्यवहार ही तो है,न कोई प्रदर्शन था, न कोई आंदोलन केवल हिन्दू समाज की पीड़ा और वेदना को बांग्लादेश सरकार तक पहुँचाना था। जिस काल खंड में कोई विपक्षी दल हिन्दुओ की बात नहीं करना चाहता उस समय जनसत्ता दल लोकतांत्रिक यदि हिन्दुओ की पीड़ा को सामाजिक पटल पर रखना चाहती है तो भारत सरकार को भी सहयोग करना चाहिए।

कैम्प में बुजुर्गों ने बनवाए आयुष्मान कार्ड

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव के कम्युनिटी हॉल में ग्लोबल हैप्पीनेस फाउंडेशन द्वारा लगाए गए निःशुल्क आयुष्मान कार्ड कैम्प में बड़ी संख्या में 70 वर्ष की आयु पूरी कर चुके बुजुर्गों ने अपने आयुष्मान कार्ड बनवाये। कैम्प रविवार की दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक लगाया गया। कैम्प लगाने में स्वास्थ्य विभाग गाजियाबाद से विपिन कुमार गौड़, डॉ. आकांक्षा मिश्रा, आशुतोष राय का विशेष सहयोग रहा। कैम्प के सफल होने पर फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ सुनील दत्त और डायरेक्टर राधिका राजपूत, अजय रावल ने कहा कि सरकार की सुविधाओं का लाभ बुजुर्गों तक पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसे कैम्प समय समय पर फाउंडेशन की ओर लगाये जाते रहते हैं। जिसमें समाज के लोग भी सहयोग करते हैं। आयुष्मान कार्ड बनने से बुजुर्गों को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

यातायात माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे यातायात माह के तहत सेक्टर 62 स्थित एवियर एजुकेशनल हब डिग्री कॉलेज में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शेयर संस्था की नुक्कड़ नाटक टीम ने भाग लिया और सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के महत्व पर एक प्रभावी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में ट्रैफिक अंकल के नाम से प्रसिद्ध टीएसआई राकेश यादव और एचसी यशपाल ने छात्रों और उपस्थित जनसमुदाय को यातायात नियमों की जानकारी दी।

उन्होंने सभी को इन नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। चेयरमैन संदीप सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास है।

ऐसे जागरूकता कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा दिखाने में सहायक होते हैं जिसके लिये पुलिस कमिश्नरेट और साझेदार संस्थाओं को इस पहल के लिए बधाई दी ' टी आई रमेश सिंह चौहान ने कहा कि यातायात नियम हमारी सुरक्षा के लिए हैं। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, और संकेतों का पालन करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। समाज में सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है और मैं सभी से अपील करता हूं कि नियमों का सख्ती से पालन करें।

इस अवसर पर युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह, कॉलेज के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ अस्मिंदर सिंह बहल, रविता सिंह, आदि मौजूद रहे।

फ्लूइड रिटेंशन की वजह से महिलाओं में होता है साइक्लिक एडिमा, ये लक्षणों हों तो न करें नजरअंदाज

फ्ल्यूड रिटेंशन, यह एक सिंड्रोम है। प्रेग्नेंसी के दौरान यह मेंस्ट्रुएशन महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलता है। इस सिंड्रोम के होने पर डायबिटीज, मानसिक सेहत खराब होना और मोटापा आदि शामिल है।

अनन्या मिश्रा

फ्ल्यूड रिटेंशन महिलाओं में देखी जाने वाली एक स्थिति है। खासतौर पर यह सिंड्रोम जवान महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है। ऐसी स्थिति में आपको सोडियम और वाटर रिटेंशन की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

हालांकि इसका इलाज संभव है, लेकिन आसान नहीं। इस सिंड्रोम को ठीक करने के लिए आपको दवाओं के साथ अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में भी बदलाव करने होते हैं। इसको पीरियॉडिक स्वेलिंग के नाम से भी जाना जाता है। इस सिंड्रोम के होने पर हाथ-पैर और मुंह पर सूजन आ जाती है।

यह एक सिंड्रोम है, जो फ्ल्यूड रिटेंशन की वजह से होता है। प्रेग्नेंसी के दौरान यह मेंस्ट्रुएशन महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलता है। इस सिंड्रोम के होने पर डायबिटीज, मानसिक सेहत खराब होना और मोटापा आदि शामिल है।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस सिंड्रोम के लक्षण, कारण और इलाज के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए कैसे होते हैं लक्षण

इस सिंड्रोम के होने पर आपको अपने शरीर के कई हिस्सों में सूजन की समस्या देखने को मिल सकती है। जैसे हाथ-पैर या मुंह पर सूजन आना। वहीं इस सिंड्रोम के लक्षण में पेट फूलने की स्थिति भी हो सकती है या फिर अचानक से आपका वेट बढ़ सकता है। वहीं पीरियड्स आने से पहले पूरी बॉडी में सूजन जैसी समस्या महसूस हो सकती हैं।

कारण

शायद आप कुछ ऐसी दवाओं का सेवन कर रहे हों, जिनमें लेक्सेटिव और डाइयूरेटिक आदि शामिल हों। इसकी वजह से भी आपको यह सिंड्रोम हो सकता है। इसमें उन लिंफ का विकास विफल हो जाता है, जो फ्ल्यूड को आपकी बॉडी से बाहर निकालते हैं। जिसकी वजह से फ्ल्यूड शरीर में अधिक मात्रा में एकत्र होने लगते हैं और आप को सोडियम या फिर वाटर रिटेंशन का सामना करना पड़ सकता है।

इलाज

इस स्थिति से छुटकारा पाने के लिए आपको अपनी डाइट में कुछ बदलाव करने चाहिए। आपको अपनी डाइट में नमक की मात्र कम करनी चाहिए और ड्यूरेटिक जैसी दवाओं का सेवन बंद कर देना चाहिए।

इस दौरान आपको बहुत टाइट कपड़े पहनने से बचना चाहिए। हालांकि सभी लोगों को हर तरह का इलाज सूट नहीं करता है।

जानिए किसमें सबसे ज्यादा रिस्क

प्रेग्नेंट महिलाओं में

बता दें कि प्रेग्नेंट महिलाएं फ्ल्यूड रिटेन अधिक कर पाती हैं। इसलिए प्रेग्नेंसी के दौराम महिलाओं में अधिक सूजन देखने को मिलती है।

पीरियड्स के समय

इसके अलावा जो महिलाएं मासिक साइकिल में होती हैं, उनमें भी इस संड्रोम के दिखने का चांस ज्यादा होता है। इस दौरान पेट फूलने जैसे लक्षण देखने को मिल सकते हैं।

दवाइयां खाने वाले लोगों में

जो लोग डायबिटीज की दवाइयों का सेवन कर रहे हैं, उनमें भी इस सिंड्रोम के होने का खतरा थोड़ा ज्यादा होता है।

किडनी के पेशेंट में

इसके साथ ही जो लोग किडनी के पेशेंट हैं, उनमें भी यह सिंड्रोम होने का रिस्क अधिक होता है।

सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है श्रीशैलम

> बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है।

प्रीटी

श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश का एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर भगवान शिव और देवी पार्वती के मंदिर के लिए जाना जाता है, जो भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं श्रीशैलम के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. श्रीशैलम मंदिर

श्रीशैलम मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर शैव और शक्ति भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ का वास्तुकला अद्भुत है और मंदिर के चारों ओर का वातावरण भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है।

2. बाणगंगा जलाशय

बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है।

3. श्रीशैलम डेम

श्रीशैलम डेम कृष्णा नदी पर बना एक विशाल बांध है। यह पर्यटकों के लिए एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है। यहाँ से नदी और आसपास के पहाड़ों का दृश्य मनमोहक होता है। पर्यटक यहाँ बोटिंग का आनंद भी ले सकते हैं।

4. राघवेंद्र स्वामी आश्रम

यह आश्रम संत राघवेंद्र स्वामी को समर्पित है और यहाँ भक्तों की एक बड़ी संख्या आती है। आश्रम का शांत वातावरण और साधना का स्थान भक्तों के लिए विशेष है।

5. किला श्रीशैलम

श्रीशैलम का किला ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहाँ की दीवारें और मीनारें एक समय की भव्यता को दर्शाती हैं। किले की चोटी से चारों ओर का दृश्य अद्भुत होता है और यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य देखने लायक होता है।

6. मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर

यह मंदिर श्रीशैलम के निकट स्थित है और यहाँ की भव्यता और आस्था भक्तों को आकर्षित करती है। यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है और यहाँ विशेष उत्सव और मेले आयोजित होते हैं। श्रीशैलम तक पहुँचने के लिए सड़क और रेल दोनों सुविधाएँ उपलब्ध हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन मल्लिकार्जुनपुरम है, जबकि सबसे नजदीकी एयरपोर्ट हैदराबाद में है। यहाँ का मौसम पूरे साल यात्रा के लिए उपयुक्त होता है, लेकिन सर्दियों में यहाँ आना विशेष रूप से सुखद होता है। देखा जाये तो श्रीशैलम एक ऐसा स्थान है जहाँ आप धार्मिकता, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव कर सकते हैं। यहाँ की यात्रा आपको न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अनुभव भी प्रदान करेगी। यदि आप आंध्र प्रदेश में यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो श्रीशैलम आपके लिए एक अनूठा गंतव्य है। यहाँ की यात्रा निश्चित रूप से आपके मन में अमिट यादें छोड़ जाएगी।

सर्दियों में बार-बार एक्ने-पिंपल कर रहे हैं परेशान तो ऐसे पाएं छुटकारा

दिव्यांशी भदौरिया

सर्दी के मौसम में सबसे ज्यादा पिंपल्स की समस्या बढ़ने लगती है। ऑयली स्किन और ड्राई स्किन वालों को एक्ने की समस्या झेलने पड़ती है। जिस कारण से सीबम का प्रोडक्शन हो सकता है। विंटर में बाहरी हवा की वजह से स्किन ड्राई होने लगती है। जिससे ऑयली स्किन और ड्राई स्किन वालों की भी एक्ने की समस्या बढ जाती है। जानें एक्न-पिंपल्स कैसे पाएं छुटकारा-

चेहरे को बार-बार न छुएं

स्किन की ड्राईनेस दूर करने के लिए मॉइश्चराइज करना जरुरी होता है। सर्दियों में हीटर, ब्लोअर में रहने, गर्म पानी से मुंह धोने की वजह से स्किन का हाइड्रेशन खत्म होने लगता है। स्किन को ड्राईनेस से जरुर बचाएं।

एलोवेरा जेल लगाएं

अगर आप भी सर्दियों में बार-बार एक्ने निकल रहे हैं, तो आप रात को एलोवेरा जेल लगाकर सो सकते है। यह ऑयल को कंट्रोल करता है और एक्ने से राहत देता है बल्कि स्किन की जलन को भी दूर करता है साथ ही हाइड्रेशन भी देता है।

पिंपल पर लगाएं ये फेस पैक

जिन लोगों को पिंपल और एक्ने की समस्या रहती है वो लोग इस पैक को जरुर लगाएं। इसे बनाने के लिए दालचीनी पाउडर एक चम्मच लेकर उसमें मेथी का पाउडर मिला लीजिए। इसके साथ ही नींबू के रस की कुछ बूंद मिलाकर गाढ़ा चिपचिपा सा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सिर्फ पिंपल पर लगाएं और इसे लगे रहने दें। इसे आप

2-3 घंटे तक लगे रहने दे या फिर रातभर छोड़ दीजिए, अगले सुबह चेहरे को धो ले। पिंपल खत्म करने में ये फेस पैके मदद करेगा।

ओट्स का फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए ओट्स का पाउडर, शहद और दही को बराबर हिस्सों लेकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। इसे पिंपल की समस्या दूर होती है और जलन में राहत होती है।

सर्दियों के दौरान एक्ने और पिंपल की समस्या लोग काफी परेशान रहते हैं। ड्राईनेस की वजह से प्रोटेक्ट करने के स्किन सीबन का प्रोडक्शन बढ़ा देती है। इससे ऑयली स्किन वालों के साथ ही ड्राई स्किन की समस्याएं होती है और एक्ने, पिंपल निकलना शुरू होते है। इस फेस पैक के इस्तेमाल से राहत मिल सकती है।

ब्रेकफास्ट में बनाएं न्यूट्रिशन से भरपूर ओट्स उपमा, झटपट बनकर हो जाएगा तैयार

लगभग हर किसी के साथ यह दुविधा होती है कि सुबह के नाश्ते में ऐसा क्या बनाया जाए, जो स्वादिष्ट होने के साथ टेस्टी भी हो। अगर आप भी सुबह के ब्रेकफास्ट को लेकर कंफ्यूज रहते हैं, तो आप ब्रेकफास्ट में ओट्स उपमा बना सकते हैं।

अनन्या मिश्रा

अक्सर सुबह के समय लोगों के पास कम समय होता है। लेकिन इस भागदौड़ के बीच कुछ ऐसा खाना बेहद जरूरी होता है, जो स्वादिष्ट होने के साथ न्यूट्रिशन्स से भरपूर हो और हमें पूरा दिन एनर्जी दे सके। सुबह के समय अक्सर हम जल्दबाजी में ब्रेकफास्ट स्किप कर देते हैं या फिर कुछ रेडीमेड खा लेते हैं। भले ही इससे आपका पेट भर जाता है, लेकिन इससे शरीर को न तो ताकत मिलती है और न ही पोषण मिलता है। ऐसे में यदि रोजाना एक जैसा नाश्ता बनाया जाए, तो भी इससे बोर हो जाते हैं।

इसलिए लगभग हर किसी के साथ यह दुविधा होती है कि सुबह के नाश्ते में ऐसा क्या बनाया जाए, जो स्वादिष्ट होने के साथ टेस्टी भी हो। अगर आप भी सुबह के ब्रेकफास्ट को लेकर कंफ्यूज रहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसी रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे परिवार के सभी सदस्यों का पेट भी भर जाएगा और आपके शरीर को भरपूर न्यूट्रिशन भी मिलेंगे। बता दें कि आप घर पर आसानी से ओट्स और सब्जियों से बनने वाले उपमा को बना सकती हैं।

ओट्स सामग्री

- ओट्स- 1 कप
- सरसों- 1 टीस्पून
- तेल- 2 चम्मच
- जीरा- आधा टीस्पून
- उड़द की दाल- आधा टीस्पून
- काजू- 8-10
- अदरक- आधा इच
- करी पत्ते- 5-7
- हरी मिर्च- 1
- प्याज- 1 छोटा
- पानी- 1 कप
- मिर्च- स्वादानुसार
- नमक-स्वादानुसार
- हल्दी- चौथाई टीस्पून
- मूंगफली- मुट्ठी भर (भुनी हुई)
- गाजर- आधी
- शिमला मिर्च- आधी
- बीन्स- चौथाई कटोरी
- मटर- चौथाई कटोरी

ऐसे बनाएं ओट्स उपमा

ओट्स उपमा बनाने के लिए सबसे पहले एक कप ओट्स लें। इसको 3-4 मिनट तक पैन में भूनें। अगर आप इंस्टेंट ओट्स ले रही है, तो इनको भूनने की जरूरत नहीं है, बल्कि आप सीधे तौर पर इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। एक पैन में 2 चम्मच तेल डालकर इसमें उड़द की दाल, सरसों, करी पत्ता, जीरा और काजू डालकर हल्के ब्राउन होने तक भूनें। फिर इसमें हरी मिर्च, प्याज और अदरक डालें। प्याज को हल्का नरम हो जाने तक पकाना है।

अब इसमें सारी सब्जियां डाल दें और गाजर, मटर, शिमला मिर्च और बीन्स डालें। इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च और नमक डालकर अच्छे से चलाएं और फिर पानी डालकर पकने दें। इसमें धनिया और नींबू का रस मिलाएं। फिर ऊपर से भुनी हुई मूंगफली डाल दें। इस तरह से ओट्स उपमा बनकर तैयार हो जाएगा।

एक दिवसीय दौरे पर चित्रकूट पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

चित्रकूट के भौतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : योगी आदित्यनाथ

चित्रकूट/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर चित्रकूट पहुंचे। यहां उन्होंने जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इसके उपरांत सीएम योगी श्री महाराजाधिराज मतगजेंद्र नाथ शिव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। सीएम योगी यहां से सीधे रामघाट पहुंचे, जहां उन्होंने मां मंदाकिनी के तट पर खड़े होकर इस पवित्र नदी की आरती उतारी और प्रदेश वासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री मां मंदाकिनी की पांच अर्चकों द्वारा होने वाली दैनिक आरती में भी शामिल हुए।

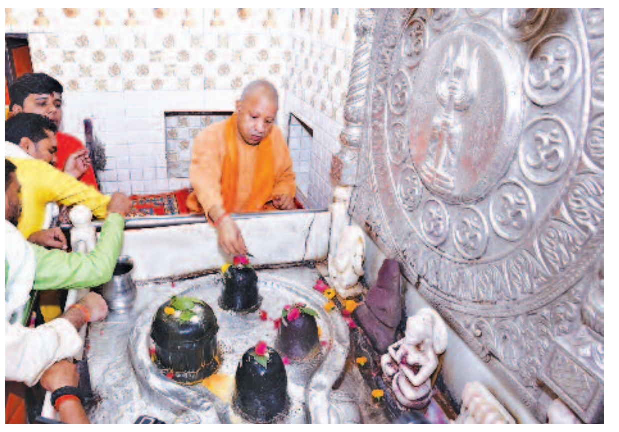

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां कभी भगवान श्रीराम ने संत तुलसीदास जी को दर्शन दिया था, आज उस पवित्र स्थल का दर्शन और पूजन करना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कि चित्रकूट के भौतिक विकास और आध्यात्मिक उन्नयन के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह सनातन धर्म का पौराणिक तीर्थ है। प्रभु श्रीराम ने वनवास काल में सर्वाधिक समय इसी चित्रकूट में व्यतीत किया था। अति प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनियों और अनेक तपोनिष्ठ संतों ने इसी चित्रकूट धाम में रहकर अपनी आध्यात्मिक साधना को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। आज हमारा सौभाग्य है कि संतों के सानिध्य में इस चित्रकूट धाम के लिए कुछ करने का सौभाग्य हमारी डबल इंजन की सरकार को प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वह मध्याह्न में चित्रकूट धाम पहुंचे हैं और यहां समीक्षा बैठक व एक-दो कार्यों का निरीक्षण करने के उपरांत यहां रामघाट पर मां मंदाकिनी के सानिध्य में पूजन दर्शन का सौभाग्य उन्हें मिला है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धाम को उसकी पौराणिक और ऐतिहासिक पहचान दिलाने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। मां मंदाकिनी की अविरलता और सुंदरता के साथ ही रामघाट के सुंदरीकरण के लिए सरकार ने पहले ही पैसा उपलब्ध करा दिया है। सीएम योगी ने कहा कि चित्रकूट के आध्यात्मिक और धार्मिक के साथ ही भौतिक विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। यहां एयरपोर्ट बनकर तैयार है। इस एयरपोर्ट को और लंबा बनाया जा रहा है, जिससे कि जिससे यहां दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी और अयोध्या से आने वाले बड़े विमान भी उतर सकें। उन्होंने कहा कि कभी यहां भगवान श्रीराम पुष्पक विमान से आए होंगे। हजारों साल बाद वो अवसर भी आएगा जब मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लोगों को यहां से वायुसेवा प्राप्त होगी। सीएम योगी ने अन्य विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि बुंदेलखंड लिंक एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि लालापुर स्थित महर्षि वाल्मीकि की पावन जन्मस्थली के सुंदरीकरण का कार्य हो या संत तुलसीदास की पावन जन्मस्थली, इन सभी की सुरक्षा और सुंदरीकरण का कार्य हो रहा है। सीएम ने कहा कि पिछले वर्ष हमारी सरकार द्वारा जगद्गुरू रामभद्राचार्य विवि का राजकीयकरण किया गया है। इसमें सरकार के स्तर पर कुछ नये पाठ्यक्रम भी जल्द शुरू किये जाएंगे। यहां दिव्यांग के साथ ही सामान्य बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त हो सकेगी।

उन्होंने डिफेंस कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल कॉरीडोर और कामता गिरी परिक्रमा के साथ ही चित्रकूट में ईको टूरिज्म के लिए रानीपुर टाइगर रिजर्व को भी संवर्धित किये जाने की बात दोहराई। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मंदाकिनी नदी पर नया पुल बनाया जाएगा, जिससे कि आवागमन और सुगम हो सकेगा। कहा कि यहां सड़कों के कार्यों को प्राथमिकता पर लिया गया है। इस अवसर पर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह सहित बड़ी संख्या में साधु-संत, जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण मौजूद रहे।

सह-सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने डॉ. विश्वामित्र बत्रा को कर्मयोगी अवार्ड 2024 से किया सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। सामाजिक सेवा संगठन 'माय होम इंडिया' द्वारा 11वां कर्मयोगी अवार्ड सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर विश्वामित्र बत्रा जी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने सम्मानित किया।

डॉ. विश्वामित्र बत्रा ने दिल्ली से चिकित्सा में स्नातक कर 1983 में भारत के आदिवासी इलाकों के लोगों की सेवा करने के लिए घर छोड़ दिया था। वह पिछले 41 वर्षों से इस तरह के प्रयास लगातार कर रहे हैं। इन चार दशकों में, डॉ. बत्रा ने मेघालय के खासी हिल्स को अपना घर बनाया और न केवल वहां के आदिवासी लोगों की शारीरिक बीमारियों का इलाज किया, बल्कि ईसाई मिशन और अन्य अलगाववादी समूहों की गतिविधियों के कारण समाज में व्याप्त सामाजिक बीमारियों का भी इलाज किया।

पूर्वोत्तर भारत में वे शायद पहले गैर-आदिवासी व्यक्ति हैं जिन्हें सेवा कार्यों के कारण आदिवासी सम्मान से भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने इस अवसर पर कहा कि पूर्वोत्तर भारत के राज्यों को लंबे समय तक भड़काया गया, उसे समझने के लिए जो दृष्टि चाहिए थी, वह नहीं अपनाई गई। हर राज्य को ऐसे बताया गया जैसे वह स्वयं में देश हो, इसके कारण पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक मतांतर और अलगाववाद की आग में झुलसा। आगे उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर को जोड़ने की नहीं, समझने की आवश्यकता है। संघ से जुड़े संगठनों ने इस भाव को समझा और सेवा के अनेक प्रकल्प शुरू किए। पूर्वोत्तर के लोगों को देश के अन्य हिस्सों में कुशलता से रखा गया और उन्हें आत्मीयता का भाव दिया गया। 'माय होम इंडिया' के संस्थापक और वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील देवधर ने कहा कि जिन लोगों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में सेवा कार्य करते हुए स्वयं को राष्ट्र कल्याण में आहुत कर दिया, ऐसे लोगों को ही स्वामी विवेकानंद स्मृति कर्मयोगी अवार्ड दिया जाता है। पूर्वोत्तर भारत में आज जो बदलाव देखा जा रहा है, वह निश्चित ही कर्मयोगियों के संघर्ष और समर्पण का फल है। नार्थ ईस्ट में ऐसे सैकड़ों कर्मयोगी हैं लेकिन डॉ. विश्वामित्र बत्रा जी का यह सम्मान प्रतीकात्मक है। उन्होंने उन दूर-सुदूर क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से राष्ट्रवाद की भावना जागृत की। कर्मयोगी विश्वामित्र बत्रा ने इस अवसर पर कहा कि यह सम्मान उस विचार का है, जो पराधीनता के कारण आई विकृतियों और खड़ी हुई समस्याओं के समाधान के लिए हजारों कार्यकर्ता विभिन्न प्रकल्पों में लगे हुए हैं। यह उन कर्मयोगियों का सम्मान है। इस भव्य समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन जी, सेंघ खी लांग के अध्यक्ष रॉबिन कुरबाह जी समेत कई विशिष्ट जन उपस्थित थे। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले कई अन्य विशिष्ट अतिथियों को भी उनके कार्यों के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन संस्था के दिल्ली एनसीआर अध्यक्ष बलदेव राज सचदेवा जी ने किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 दिसंबर को

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्राप्त निदेर्शों के अनुपालन में एवं माननीय जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर के दिशा-निर्देशन में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर ऋचा उपाध्याय की अध्यक्षता में आज बैंक पदाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारीगण को राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण मामलों को अधिक से अधिक से चिन्हित करने तथा चिन्हित मामलों में पक्षकारों को नोटिस आदि भिजवाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

इसके साथ साथ राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु अपने-अपने बैंक शाखाओं पर बैनर, पोस्टर, स्टीकर आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करवाने हेतु भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में ऋचा उपाध्याय, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इंदु जायसवाल जिला अग्रणी प्रबंधक, पंकज त्रिपाठी केनरा बैंक, अमित रंजन पंजाब नेशनल बैंक, शंकर सांवन इंडियन बैंक, राजन इंडियन ओवरसीज बैंक, संतोष कुमार सिंह पंजाब नेशनल बैंक, मनोज कुमार स्टेट बैंक आफ इंडिया, स्वाति बिष्ट एसबीआई, अश्वनी भारद्वाज, आईडीबाईआई बैंक, सुशील कुमार, यूनियन बैंक आफ इंडिया, रवि मिलक पंजाब एण्ड सिध बैंक, राजा राम राय बैंक आफ महाराष्ट्रा व अन्य उपस्थित हुये।

केंद्रीय राज्य पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने दिल्ली में 'अमूल स्वच्छ ईंधन रैली' का किया स्वागत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। भारत में प्रति वर्ष 26 नवंबर को 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' के रूप में मनाया जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल से प्रेरित डेयरी सहकारी आंदोलन ने 1946 में अमूल का गठन किया जिसमें धीरे धीरे देश के लाखों किसान जुड़ते गए। जिससे भारत दुनिया में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया।

अमूल ने डॉ. वर्गीस कुरियन की जयंती मनाने और 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' के उपलक्ष्य पर चार स्वच्छ ईंधन रैलियां आयोजित की। इन रैलियों का उद्देश्य सर्कुलर इकोनॉमी और बायोसीएनजी के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान रैलियां स्वच्छ ईंधन के उपयोग से किसानों की आजीविका में सुधार और पर्यावरण में योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाते हुए निकली। मारुति सुजुकी और बजाज ऑटो द्वारा संचालित अमूल स्वच्छ ईंधन रैली हिम्मतनगर, कोलकाता, पुणे और जम्मू में शुरू हुई थी। कुल मिलाकर 5,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए यह रैली दिल्ली में संपन्न हुई, जहां यह 26 नवंबर को भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' समारोह का हिस्सा बनी।

अमूल के 77 से अधिक राइडर्स सर्कुलर इकोनॉमी और सतत पर्यावरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए स्वच्छ ईंधन रैली में शामिल हुए। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने डेयरी सहकारी समितियों की विरासत का सम्मान करते हुए सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों और सतत पर्यावरण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न राज्य सहकारी समितियों, संस्थानों और किसानों से मिलते हुए गए।

'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' मनाने के लिए रैली का समापन दिल्ली में हुआ, जहां देश के विभिन्न हिस्सों से शुरू हुई रैलियों ने मिलकर धौला कुआं से मानेकशॉ एन्क्लेव, दिल्ली तक अपना अंतिम पड़ाव तय किया। धौला कुआं से शुरू हुई इस रैली को अलका उपाध्याय सचिव (ऊअल्ऊ) ने रैलियों को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर GCMMF (अमूल) के अध्यक्ष शामलभाई बी पटेल, GCMMF (अमूल) के उपाध्यक्ष वालमजी हुम्बल, डॉ. वर्गीस कुरियन की पुत्री निर्मला कुरियन, GCMMF (अमूल) के प्रबंध निर्देशक जयेन मेहता और डीएएचडी के निर्देशक मंडल और अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति थी।

यह रैलियां मानेकशॉ एन्क्लेव पहुंचीं, जहां उनका अभिनंदन और स्वागत केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री प्रो एस.पी. बघेल और भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया। पशुपालन एवं डेयरी केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी.बघेल ने इस अवसर पर सहकारी क्षेत्र और श्वेत क्रांति में डॉ. कुरियन के योगदान को याद किया। उन्होंने अमूल फाउंडेशन में श्री त्रिभुवनदास पटेल द्वारा निभाई गई भूमिका को भी याद किया।

'श्री अन्न' किसानों के साथ संबल बनकर खड़ी है योगी सरकार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार श्रीअन्न किसानों के साथ भी संबल बनकर खड़ी है। योगी सरकार के निर्देशन में धान की तरह ही ज्वार खरीद भी खूब की जा रही है। योगी सरकार के नेतृत्व में ज्वार खरीद में अब तक 88.75 फीसदी लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। 3503 किसानों से 17749.25 मीट्रिक टन ज्वार की खरीद हो चुकी है, जबकि पिछले वर्ष इस अवधि तक 5904.55 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी। सरकार के प्रयासों से इसमें निरंतर बेतहाशा वृद्धि हो रही है। सरकार ने अब तक ज्वार किसानों को 52.13 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान भी कर दिया है।

वर्ष 2024-25 के लिए ज्वार खरीद चल रही है। इस वर्ष 20 हजार मीट्रिक टन खरीदारी का लक्ष्य है। लक्ष्य के सापेक्ष 88.75 फीसदी क्रय कर लिया गया है। अब तक (28 नवंबर) 3503 किसानों से 17749.25 मीट्रिक टन ज्वार की खरीद हो चुकी है। इस एवज में सरकार ने 52.13 करोड़ रुपये से अधिक भुगतान कर दिया है। पिछले वर्ष (2023-24) तक इस अवधि में 22 जनपदों में 5904.55 मीट्रिक टन ज्वार की खरीद हुई थी। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक 11,844.7 मीट्रिक टन से अधिक की खरीद की जा चुकी है। योगी सरकार की देखरेख में बाजरा खरीद भी तेजी से चल रही है। अब तक 248 क्रय केंद्रों से खरीद की जा चुकी है। प्रदेश के 8031 किसानों से 42732.65 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद हुई है। इस एवज में बाजरा किसानों को 103 करोड़.90 लाख रुपये से अधिक का भुगतान भी कर दिया गया है। बाजरा खरीद भी निरंतर जारी है। श्रीअन्न को बढ़ावा देने के साथ ही सरकार ने इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाया है। ज्वार मालदांडी का 3421 रुपये, ज्वार (हाईब्रिड) का 3371 रुपये, बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2625 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है।

बदायूं, बुलंदशहर, बरेली, शाहजहांपुर, रामपुर, संभल, अमरोहा, अलीगढ़, कासगंज, एटा, हाथरस, आगरा, मथुरा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, हरदोई, उन्नाव, कानपुर नगर-देहात, इटावा, औरैया, कन्नौज, फरुर्खाबाद, गाजीपुर, बलिया, मीरजापुर, जालौन, चित्रकूट, प्रयागराज, कौशांबी, जौनपुर, फतेहपुर बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, कानपुर नगर-देहात, फतेहपुर, उन्नाव, हरदोई, मीरजापुर व जालौन में ज्वार की खरीद हो रही है।

सीएम योगी के नेतृत्व में 'बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ' योजना से सशक्त हो रही बेटियां

वित्तीय वर्ष 2024-25 में सभी जनपदों को कुल 17.86 करोड़ हुआ आवंटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना उत्तर प्रदेश में प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के सशक्तीकरण और लिंगानुपात में सुधार करने के लिए 23 हजार से अधिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं के जन्म के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित कर रही है। केंद्र की योजनाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही प्रदेश की योगी सरकार राज्य के हर और हर वर्ग के विकास के लिए बेहतरीन कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ रही है। प्रदेश में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना से योगी सरकार ने लिंग-चयन की प्रक्रिया को समाप्त कर बालिकाओं को न सिर्फ सुरक्षित कर रही है बल्कि लिंगानुपात में सुधार भी ला रही है। राज्य के सभी 75 जिलों योजना के अंतर्गत जागरूकता से संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जिसके अंतर्गत जन्म के समय लिंगानुपात के अनुसार ही जनपदों को धनराशि का आवंटन किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 23,184 गतिविधियों के माध्यम से 26.60 लाख महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस योजना के अंतर्गत योगी सरकार बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी उच्च शिक्षा को सुनिश्चित करने में कामयाब हो रही है। प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित इस योजना के अंतर्गत योगी सरकार वित्त वर्ष 2024-25 में योगी सरकार ने सभी जनपदों को योजना के सुचारू रूप से संचालन के लिए 17.86 करोड़ रुपये की राशि आवांटित की है। इसके माध्यम से योजना के अनुरूप जिलों में कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने समेत मिशन शक्ति 5.0 के अतर्गत विभिन्न कार्यक्रम तथा प्रचार-प्रसार व जागरूकता संबंधी गतिविधियों का संचालन कर रही हैं।

पूर्वांचल के इंडस्ट्रियल हब बनने की ओर बढ़े गोरखपुर के कदम

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ 800 एकड़ में औद्योगिक गलियारा विकसित कर रहा गीडा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। बमुश्किल सात-आठ पहले तक औद्योगिक पहचान के संकट से जूझ रहे गोरखपुर ने अब पूर्वांचल के इंडस्ट्रियल हब बनने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। बीते कुछ सालों से गीडा को केंद्र में रखकर गोरखपुर निवेशकों के पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। इंडस्ट्री लगाने के लिए उद्यमियों की तरफ से बढ़ रही मांग के मद्देनजर गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) द्वारा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ 800 एकड़ में औद्योगिक गलियारा (इंडस्ट्रियल कॉरिडोर) विकसित किया जा रहा है। इसके साथ ही धुरियापार में भी 5500 एकड़ में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने की कार्ययोजना मूर्त रूप ले रही है।

> 'मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप गीडा को उत्कृष्ट औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। लैंड बैंक का विस्तार कर निवेशकों को उनकी पसंद के मुताबिक भूखंड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। गीडा के 35वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री के समक्ष 85 निवेशकों को भूखंड आवंटन का पत्र सौंपा जाएगा। आने वाले दिनों में प्लास्टिक पार्क, रेडीमेड गारमेंट पार्क और रेडीमेड गारमेंट की फ्लैटेड फैक्ट्री की भी सौगात मिल जाएगी। इसके अलावा 5500 एकड़ वाले धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य तेजी से चल रहा है।'
>
> **अनुज मलिक, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, गीडा**

30 नवंबर को गीडा का 35वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। 35 वर्षों के सफर में करीब 28 वर्ष गीडा की चाल काफी सुस्त रही। उद्यमियों के लिए ढांचागत सुविधाओं का अभाव, कानून व्यवस्था, निवेशकों के प्रोत्साहन के लिए कारगर नीतियों के न होने के कारण निवेशक गीडा क्षेत्र के प्रति उस गति से उत्साहित नहीं हो रहे थे जिसकी अपेक्षा गीडा की स्थापना के वक्त 1989 में की गई थी।

पर, योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद 2017 से हालात पूरी तरह से बदलते गए हैं। निवेशकों और उद्यमियों को सरकार की तरफ से काम लायक माहौल और प्रोत्साहन मिला तो उनका रुझान भी गीडा के प्रति तेजी से बढ़ा। निवेशकों के रुझान को देखते हुए सीएम योगी की मंशा के अनुरूप गीडा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित कर रहा है। इस औद्योगिक गलियारा को 800 एकड़ में बसाया जा रहा है। इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में उद्योग लगने भी लगे हैं।

मसलन मल्टीनेशनल ब्रांड पेप्सिको की फ्रेंचाइजी वरुण बेवरेजेज ने 1100 करोड़ रुपये के निवेश व3 बॉटलिंग प्लांट लगाया है। औद्योगिक गलियारा में गीडा की तरफ से 88 एकड़ में प्लास्टिक पार्क विकसित किया जा रहा है। यहां प्लास्टिक उद्योग की 92 इकाइयों के लिये स्थान एवं समस्त आवश्यक अवस्थापना सुविधाएं उपलब्ध होगी। इससे लगभग 5000 व्यक्तियों को रोजगार मिल सकेगा। गीडा द्वारा प्लास्टिक पार्क में कई उद्यमियों को भूखण्ड आवंटन की कार्यवाही की जा चुकी है।

यही नहीं, प्लास्टिक पार्क में यूनिट लगाने वाले उद्यमियों को कच्चे माल की कोई चिंता नहीं रहेगी। प्लास्टिक पार्क की यूनिट्स को परियोजना स्थल पर ही गेल (गैस ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) की तरफ से कच्चा माल सुलभ होगा। इसके लिए गीडा और गेल के बीच गीडा के पिछले स्थापना दिवस पर सीएम योगी के समक्ष एमओयू हो चुका है। प्लास्टिक पार्क में गीडा द्वारा परियोजना स्थल पर सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंगएंड टेक्नोलॉजी (सीपेट) के सेंटर के लिए भी 5 एकड़ निशुल्क भूमि उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गयी है।

सीपेट का सेंटर खुलने से प्लास्टिक पार्क में स्थापित होने वाली इकाइयों को कुशल कारीगरों की उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ उनके द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित हो सकेगी।

योगी सरकार की पहल पर फिल्म सिटी और जेवर एयरपोर्ट के पास सच हो रहा प्रदेशवासियों के सपनों का घरौंदा

सेक्टर 24ए में 120 से लेकर 260 स्क्वायर मीटर के आवासीय भूखंड उपलब्ध करा रहा यीडा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेशवासियों को उनके सपनों का घरौंदा उपलब्ध कराने के लिए लगातार नयी-नयी योजनाएं लांच कर रही है। इसी के तहत योगी सरकार की मंशा के अनुरूप यीडा ने प्रदेशवासियों को जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 मिनट, इंटरनेशनल फिल्म सिटी से एक किलोमीटर, यमुना एक्सप्रेस-वे और मोटो जीपी ट्रैक से पांच सौ मीटर की दूरी पर हाईटेक टाउनशिप की सौगात दी है। योगी सरकार इस हाईटेक टाउनशिप का लाभ देने के लिए अब तक 62,865 लोगों ने ब्राउसर खरीदा है, जबकि 34,180 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं रजिस्ट्रेशन कराने की अंतिम तिथि 30 नवंबर है, जबकि लॉटरी की डेट 27 दिसंबर रखी गयी है। बता दें कि टाउनशिप को नोएडा के सेक्टर-24 ए में विकसित किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में लगातार युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। उनका यह प्रयास रंग भी लाने लगा है। सीएम योगी की कोशिशों का ही नतीजा है कि आज उत्तर प्रदेश में लगातार वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर आकार ले रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेशवासियों को जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट, इंटरनेशनल फिल्म सिटी, यमुना एक्सप्रेस वे और मोटो जीपी ट्रैक के पास हाइटेक टाउनशिप की सौगात दी है। यहां पर प्रदेशवासियों के लिए 451 रेजिडेंशियल प्लॉट्स उपलब्ध कराने जा रहे हैं। इसमें 120 स्क्वायर मीटर के 100, 162 स्क्वायर मीटर के 169 प्लॉट्स, 200 स्क्वायर मीटर के 172 प्लॉट्स, 250 स्क्वायर मीटर के 6 प्लॉट्स और 260 स्क्वायर मीटर के 4 प्लॉट्स शामिल हैं। टाउनशिप में प्रदेश के अन्नदाताओं के लिए 17.5 प्रतिशत प्लॉट्स आरक्षित किये गये हैं।

योगी सरकार की इस हाईटेक टाउनशिप का लाभ उठाने के लिए अब तक 62,865 लोगों ने ब्राउसर खरीदा है। इसके लिए उन्होंने 3,77,19,000 रुपये की धनराशि खर्च की है।

बता दें कि यीडा की ओर से ब्राउसर की फीस 600 रुपए प्रति आवेदक रखी गयी थी। वहीं 34,180 लोगों ने रजिस्ट्रेशन फीस के रूप में 14,89,50,00,000 रुपये की धनराशि खर्च की है। बता दें कि यीडा की ओर से अलग-अलग प्लॉट्स के लिए अलग-अलग रजिस्ट्रेशन फीस रखी गयी थी जबकि प्लॉट्स का रेट 25,900 रुपये प्रति स्क्वायर मीटर रखा गया है। यीडा ने रजिस्ट्रेशन की अंतिम डेट 30 नवंबर रखी है।

सांसद राजकुमार सांगवान ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष से की मुलाकात

तिबड़ा रोड फाटक पर ओवर ब्रिज बनाए जाने की मांग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। सांसद राजकुमार सांगवान ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। सांसद ने बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत दिल्ली-मेरठ रेलवे लाइन पर स्थित मोदी नगर रेलवे स्टेशन के पूर्व की दिशा में लगभग 8 से 10 गांव बसे हैं, जिनमें लगभग ढाई लाख की आबादी निवास करती है। इनको अपने दैनिक एवं अन्य कार्यों के लिए प्रायः रेलवे लाइन की पश्चिम दिशा में जाना पड़ता है क्योंकि लगभग सभी आवश्यक कार्यालय डाकघर, बस अड्डा, बाजार, अस्पताल, स्कूल-कालेज आदि पश्चिम दिशा में स्थित हैं। पूर्व व पश्चिम दिशा के मध्य रेलवे लाइन पर फाटक संख्या 14 सी बना है, जो लगभग बहुत व्यस्त और अधिकतर बंद रहता है। इस रेल लाइन पर प्रतिदिन लगभग 100 ट्रेनों का आवागमन होता है, जिससे दोनों दिशाओं के लाखों लोगों को फाटक बंद होने के कारण लंबा इंतजार करना पड़ता है और वे अपने आवश्यक कार्य में लेट हो जाते है। जनहित में यहाँ स्थित फाटक संख्या 14सी को शीघ्र ही अण्डर पास या ओवर ब्रिज में बदला जाए, जिससे न केवल क्षेत्रवासियों आवागमन की सुविधा मिलेगी बल्कि उनको जाम से निजात भी मिलेगी और उन्हें किसी प्रकार की दुर्घटनाओं का शिकार भी नहीं होना पड़ेगा। साथ यह भी अवगत कराना चाहता हूँ कि वर्तमान में मोदीनगर रेलवे स्टेशन पर आधुनिकीकरण का कार्य चल रहा है, जिसके तहत फुट ओवर ब्रिज बनाया जा रहा है, जो प्लेटफॉर्म तक ही सीमित है। यदि इसे स्टेशन पर रेलवे लाइन के दोनों तरफ बाहर तक बढ़ाया जाए, तो इससे क्षेत्र में रहने वाले विद्यार्थियों, दैनिक यात्रियों सहित सभी लोगों को आवागमन की सुगम सुविधा मिल सकेगी। साथ ही स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज पर टू व्हीलर के आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए।

विधायक मंजू शिवाच ने उद्यान एवं कृषि विपणन मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। उद्यान एवं कृषि विपणन मंत्री दिनेश प्रताप सिंह से लखनऊ प्रवास के दौरान विधायक डॉ मंजू सिवाच ने एक महत्वपूर्ण मुलाकात कर मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र की नगर पालिका मोदीनगर में हापुड़ रोड़ पर स्थित सब्जी मण्डी के पुनः निर्माण के विषय पर चर्चा करी। मण्डी में बरसात के दिनों में पानी का जल भराव हो जाता है जिसके कारण किसानों और सब्जी व्यापारियों को बहुत सी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। मण्डी के पुनः निर्माण से किसानों और सब्जी व्यापारियों को ही नहीं, बल्कि शहर और आसपास के गावों से सब्जी की खरीददारी करने आने वाले लोगों को भी लाभ प्राप्त होगा। इस विषय पर मंत्री से जल्द कार्यवाही की अपेक्षा है ताकि हमारे क्षेत्र की जनता को बेहतर सुविधाएँ मिल सकें।

छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एसआरएम आईएसटी, दिल्ली - एनसीआर परिसर, मोदीनगर के इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग (ईईई) द्वारा आयोजित इलेक्ट्रिक वाहन भारतीय परिदृश्य में भविष्य की स्थिरता के लिए एक उभरती हुई तकनीक पर एआईसीटीई-प्रशिक्षण और शिक्षण (अटल) अकादमी द्वारा वित्त पोषित छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का शुभारंभ दिनाँक 25.11.2024 को किया गया। उद्घाटन के दौरान, मुख्य अतिथि के रूप में हियोकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जापान के महाप्रबंधक (आर एंड डी) श्री नत्सुकी मियाशिता ने उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दिया। उद्घाटन समारोह के दौरान, अटल एफडीपी के समन्वयक डॉ जितेंद्र कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों को इस छह दिवसीय अटल एफडीपी के महत्व और उद्देश्य के बारे में संबोधित किया। डॉ (प्रो.) आर पी महापात्रा झ डीन और डॉ (प्रो.) धौम्य भट्ट झ डीन आईक्यूएसी ने भी ईवी और इसके भविष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रतिभागियों को संबोधित किया।एफडीपी 25.11.2024 से शुरू होकर 30.11.2024 तक जारी रहेगी। विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के लगभग 50 प्रतिभागी इस छह दिवसीय अटल एफडीपी में भाग लेंगे !अंत में उद्घाटन समारोह धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

पूर्व राज्य सभा सांसद बने स्वर्णकार समाज मोदीनगर के मुख्य संरक्षक

मोदीनगर। स्वर्णकार समाज मोदीनगर के पदाधिकारियों ने दिल्ली में पूर्व सांसद, राज्यसभा कैलाश सोनी मध्य प्रदेश का सानिध्य प्राप्त किया और संगठन के कार्यों से अवगत कराते हुये उन्हें संगठन का मुख्य सरंक्षक मनोनित किया। स्वर्णकार समाज मोदीनगर का एक प्रतिनिधि मण्डल संगठन के उपाध्यक्ष हर्षित वर्मा के नेतृत्व में दिल्ली स्थित पूर्व सांसद, राज्यसभा कैलाश सोनी मध्य प्रदेश से मिला। इस दौरान प्रतिनिधि मण्डल ने कैलाश सोनी को संगठन का मुख्य संरक्षक बनने के लिए आग्रह किया गया, जिसे कैलाश सोनी ने सहर्ष स्वीकार किया। और अपनी सेवाऐं देने व संगठन के लिये हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मण्डल में महर्षि दयानन्द इण्टर कॉलिज के पूर्व प्रधानाचार्य व संगठन के संरक्षक डॉ0 राम नारायण वर्मा, अध्यक्ष मोहित सोनी, उपाध्यक्ष हर्षित वर्मा, सचिव विकास सोनी, कार्यकारिणी सदस्य परमात्मा शरण वर्मा व अजय स्वर्णकार आदि मौजूद रहें।

नेशनल गेम्स के लिए चयनित होकर मोदीनगर का गौरव बढ़ाया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। शिवकुमार इंटर कॉलेज जहाँगीराबाद बुलंदशहर मे आयोजित 68 वीं प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालय कराटे प्रतियोगिता -2024 में स्थानीय डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर के चार छात्रों ने भाग लिया। जिसमें विद्यालय के दो छात्रों मयंक कक्षा 12 एवं हर्ष कक्षा 9 ने प्रदेश स्तर पर सभी खिलाड़ियों को पछाड़कर गोल्ड मेडल हासिल किया। इसके अतिरिक्त विद्यालय के कक्षा 12 के एक अन्य छात्र यस ने भी सिलवर मेडल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के ऊजार्वान कर्मठ,जुझारू एवं लगनशील (राष्ट्रीय खिलाड़ी रहे) शारीरिक शिक्षक राजीव सिंह के निर्देशन में विद्यालय के छात्रो द्वारा बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर चुने जाने पर, विद्यालय के साथ साथ अपने माता-पिता, शहर, ज़िले एवं मंडल का नाम रोशन करने पर सभी ने शुभकामनाएं दी।विद्यालय पहुँचने पर कॉलेज के प्रधानाचार्य सतीश चंद अग्रवाल ने दोनों छात्रों को मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया तथा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने हेतु प्रेरित करते हुए अग्रिम शुभकामनाओं के साथ सभी को एक बार पुन बधाई देकर हौसला अफजाई की। कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने भी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन कर अपने माता-पिता के साथ साथ विद्यालय और ज़िले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर भी रोशन करने हेतु प्रेरित किया। शारीरिक शिक्षक राजीव सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर आगामी प्रतियोगिताएं पंजाब के लुधियाना एवं मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित होंगी। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक आर के सिंह, प्रयास शर्मा, शरद कुमार बाजपेई, संजीव कुमार, योगेन्द्र कुमार, अनिल कुमार, लै राजीव कुमार, गौरव त्यागी, संजीव चौधरी, मयंक, डॉ भावना सिंह ,डॉ पूनम वशिष्ठ, शिवानी बागोरिया, सतीश कुमार,कोमल त्यागी आदि का सहयोग रहा।

संविधान निर्माता डॉ बी. आर आंबेडकर कि प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। संविधान दिवस के उपलक्ष में मोदीनगर बस स्टैंड एवं महाराणा प्रताप स्कूल सिकरी कलां पर एकत्रित होकर संविधान निमार्ता डॉ बी. आर आंबेडकर कि प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विधायक डॉ मंजू शिवाच, चेयरमैन विनोद वैशाली, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल ने संविधान दिवस मनाया।

नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने संविधान दिवस कि शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि संविधान दिवस जिसे राष्ट्रीय विधि दिवस के रूप में भी जाना जाता है, भारत के संविधान को ग्रहण करने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2015 के पश्चात प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को भारत में संविधान दिवस मनाया जाता है इन्होंने कहा कि बाबा साहेब के संविधान के वजह से ही आज देश अच्छी तरह से चल पा रहा है। विधायक डॉ मंजू शिवाच ने भी बधाई देते हुए कहा कि बाबा साहेब के संविधान के कारण ही महिलाओं को बराबर का अधिकार मिला देश के हर वर्ग के नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हुओ इसी विचार धारा पर सभी को काम करना चाहिये। इस उपलक्ष में समय सिंह सिसोदिया (संस्थापक) नगर पालिका परिषद् के सभी सम्मानित सभासद आदित्य (बोबी), मोहन (मोनू धामा), गुलाब, ललित मित्तल, प्रदीप शर्मा, संदीप सांगवान , धर्मवीर मास्टर जी, जितेंद्र तेवतिया, दुष्यंत, बलराज, लोकेश डोडी, सोनू कुमार, भाजपा के वरिष्ठ एवं गणमान्य कार्यकर्ता अमित चौधरी, नवीन जैसवाल, पिंकी चौधरी, हेमंत पालीवाल, विजय वाल्मीकि, संजय चौधरी, विजेंद्र चौधरी, रोहित खटीक, हिमांशु थापर, दौलत राम जांगिड़, विपिन भी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक सुदेश शर्मा से मिले व्यापारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक सुदेश शर्मा से उनके कार्यालय पर मिला। इस दौरान हापुड़ रोड रेलवे ब्रिज एवं अन्य कई मुद्दों को लेकर व्यापारियों ने विस्तार से चर्चा की। भाजपा नेता ने व्यापारी वर्ग के साथियों की समस्याओं को सुना। उनके निवारण हेतु संबंधित विभाग अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से समस्याओं के पूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया। इस मौके पर विनीत कुमार, अमित गुप्ता, अमित गर्ग, मनोज कुमार, भूपेंद्र राठी , अरुण जिंदल , राकेश शर्मा, विवेक वर्मा व ज्ञानेश्वर आदि मौजूद रहे।

जनता पीजी कॉलेज पतला की प्रबंध समिति की बैठक आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। जनता पीजी कॉलेज पतला गाजियाबाद में प्रबंध समीति की एक आवश्यक बैठक कॉलेज के अध्यक्ष सुबोध कुमार की अध्यक्षता में संपन्न में हुई बैठक में वित्त समिति बनाने पर विचार' महाविद्यालय में यूजीसी द्वारा बनाए गए दो कमरे और बरामदे के ऊपर दो कमरे व बरामदा बनवाने में धन की व्यवस्था करने पर विचार' बिल्डिंग निर्माण समिति एवं क्रय-विक्रय समिति बनाने पर विचार 'चयन समिति में प्रबंध समिति के एक सदस्य को नामित करने पर विचार' इन चार एजेंडों पर सफल बैठक हुई बैठक में प्राचार्य अतुल गोयल' प्रबंधक राजेंद्र चिकारा' संरक्षक चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी' संस्थापक चौ. तेजपाल सिंह' पूर्व प्रबंधक योगेंद्र पतला' पूर्व प्रबंधक कृष्णपाल पाल चिकारा' पूर्व प्रबंधक विनोद कुमार' व अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने इस मीटिंग में भाग लिया।

रतन लाल-सावित्री देवी गुप्ता मेमोरियल छात्रवृत्ति वितरण समारोह आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में रतन लाल- सावित्री देवी गुप्ता मैमोरियल एन आर आई छात्रवृत्ति व अवार्ड्स वितरण समारोह का भव्य आयोजन कॉलेज के प्रधानाचार्य सतीश चंद अग्रवाल की अध्यक्षता में कराया गया,जिसमें विद्यालय में अध्ययनरत सत्र 2024 के मेधावी छात्रों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए विद्यालय के पुरातन छात्र प्रोफेसर डॉ रमेश चंद गुप्ता वर्तमान में सेवारत यूनिवर्सिटी ऑफ लो विलेकैन (यू एस), जिन्होंने 1965 मे विद्यालय से 12 वी कक्षा उत्तीर्ण की, के अनुज भ्राता (सी ए) सुरिंदरपाल गुप्ता जिन्होंने 1968 में विद्यालय से बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की, ने एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की। वर्तमान मे 1980 से नाइजीरिया में सेटल्ड,तथा अन्य भाई डॉ नरेंद्र पाल गुप्ता, डॉ अनिल गुप्ता एवं (सी ए) राजीव गुप्ता की जिन्होंने भी इसी विद्यालय से शिक्षा ग्रहण की थी, ने अपने माता पिता स्वर्गीय रतन लाल एवं स्वर्गीय सावित्री देवी गुप्ता की याद में विद्यालय के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने एवं उन्हें प्रेरित करने के उद्देश्य से एक छात्रवृति योजना आरंभ की है जो आगामी पाँच वर्षों तक मेधावी छात्रों को सम्मानित करने का काम करते रहेंगे।(सी ए) सुरेंदर पाल गुप्ता, ने बताया कि उनके पिताजी आज से करीब 70 वर्ष पूर्व हरियाणा से आकार मोदीनगर में बसे थे और मोदी इंडस्ट्री में सेवा की और सभी भाई बहनों को शिक्षा के साथ साथ अच्छे संस्कार दिए।उन्हीं की याद में मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह छात्रवृति योजना आरंभ की गई है जिसे आगामी वर्षों में इसे ओर बढ़ाने का उद्देश्य रहेगा। छात्रवृत्ति के अंतर्गत कक्षा 6-12 तक के सभी मेधावी छात्रों को 1000 से 3000 रुपये तक नगद प्रोत्साहन धनराशि देकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा आगामी प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए अपने विद्यालय के साथ साथ अपने माता-पिता और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।सीए सुरेंद्र पाल गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के द्वारा ही संपन्नता और सफलता को प्राप्त किया जा सकता है और उच्च शिक्षा सफलता की कुंजी है अतः सभी को मनोयोग से शिक्षा ग्रहण करने चाहिए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व छात्र आर के गुप्ता जिन्होंने विद्यालय से 1966 में इंटरमीडिएट उत्तीर्ण कर प्रदेश स्तरीय सूची में तृतीय स्थान प्राप्त किया था, रहे।शिक्षण के उपरान्त पूर्व छात्र आर के गुप्ता ने विभिन्न बैंकों में प्रबंधक के पद को सुशोभित करने के उपरांत प्रबंधकीय महाविद्यालयों में भी एक शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएँ दी। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने एवं अध्यक्षता प्रधानाचार्य सतीश चंद अग्रवाल ने की।प्रधानाचार्या ने सभी अतिथियों का ह्रदय की गहराइयों से धन्यवाद देते हुए छात्रों को लगन, निष्ठा और ईमानदारी से अपने लक्ष्य को हासिल करने हेतु प्रेरित करते हुए सभी पुरुस्कृत छात्रों को शुभकामनाएं दीं एवं गुप्ता परिवार को छात्रों को प्रोत्साहन देने पर ह्रदय की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम संयोजक विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी आर के सिंह ने भी गुप्ता बंधुओं को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता, प्रमुख समाजसेवी एवं उद्यमी डॉ पवन सिंहल के अतिरिक्त विद्यालय के शिक्षक दिनेश कुमार, शरद कुमार बाजपेई, वाई सी शर्मा, प्रयास शर्मा, बलराम सिंह, योगेन्द्र कुमार,लै० राजीव कुमार, सुधीर शर्मा,संजीव चौधरी,राजीव सिंह,धरमवीर सिंह, विनीत चौधरी, गौरव त्यागी, अनिल कुमार, डा नीतू, डॉ पूनम वशिष्ठ, सीमा सिंह, डा ए के जैन, शिवानी, सोमवीर, कामिनी, रूमा चौधरी, अनीता अग्रवाल, सतीश कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में एलुमनाई लेक्चर एक आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज में बीडीएस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए एलुमनाई लेक्चर एक आयोजन किया गया, जिसका विषय बीडीएस के बाद प्लेसमेंट कि राह रहा।

कालेज की पूर्व छात्रा डॉ मीनाक्षी बीडीएस की गोल्ड मेडलिस्ट थी। वर्तमान में डॉ मीनाक्षी भगवान महावीर अस्पताल दिल्ली में मेडिकल ऑफिसर के रूप में कार्यरत है। उन्होंने बीडीएस की पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात नवीन डॉक्टरों कों सरकारी नौकरी के अवसरों का पता कैसे लगा सकते है और उन्हें आगे कैसे बढ़ा सकते है, के बारे में चर्चा की और उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि युवा अक्सर एक अच्छा करियर चुनने को लेकर असमंजस में रहते है या फिर वह अपनी क्लीनिकल विशेषज्ञता के अलावा नौकरी करने या अपना क्लीनिक चलाने के लिए अच्छी तरह से तैयार नही होते है। विशेष रूप से नौकरियों के प्रकार, पात्रता आवश्यकताओं, चयन प्रक्रियाओं और इसमें शामिल चुनौतियों को समझने पर ध्यान केन्द्रित करने से बीडीएस छात्रों को खुद को तैयार करने में काफी मदद मिलेगी। डॉ मीनाक्षी ने विद्यार्थियों के द्वारा पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर भी दिये। डॉ मीनाक्षी ने कार्यक्रम के आयोजन के लिये संस्थान प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। लेक्चर में 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।